दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 234
मुरादाबाद
(Tuesday)
16 December 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

जेपी नड्डा और अमित शाह ने की नितिन नबीन की ताजपोशी, कई शीर्ष नेता रहे मौजूद

कई वर्षों के इंतजार के बाद आखिरकार भाजपा को अपना नया राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष मिल गया है। बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन की आज दिल्ली स्थित पार्टी मुख्यालय में ताजपोशी की गई। खुद भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और गृह मंत्री अमित शाह उन्हें पदभार ग्रहण कराया है।

भारतीय जनता पार्टी के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष और बिहार सरकार में मंत्री नितिन नबीन की ताजपोशी दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में की गई। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री

अमित शाह ने नितिन नबीन को पटका पहनाकर और गुलदस्ता देकर उनकी ताजपोशी की।बधाई देने वालों का लगा तांता- वहीं इसके बाद पार्टी कार्यालय में तमाम भाजपा नेताओं ने नितिन नबीन को पार्टी के नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष का पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी है। बता दें कि नितिन नवीन का जन्म 23 मई 1980 हो हुआ था। नितिन को जब कार्यकारी अध्यक्ष बने तो उनकी उम्र 45 साल है और भाजपा की उम्र भी इतनी ही है।दिल्ली पहुंचने पर भव्य स्वागत- इससे पहले दिल्ली में बिहार के मंत्री नितिन नबीन का पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त होने के बाद पहली बार पार्टी मुख्यालय पहुंचने पर शानदार स्वागत किया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने दिल्ली पहुंचने पर एयरपोर्ट पर नितिन नबीन का स्वागत किया था। बिहार में नितिन नबीन की छवि साफ-सुथरे और संगठन में बेहतर पकड़ वाले नेता की है। भाजपा ने अब तक का सबसे युवा कार्यकारी अध्यक्ष चुना है। अगर वह राष्ट्रीय अध्यक्ष बनते हैं तो भाजपा के सबसे युवा अध्यक्ष बनने का रिकॉर्ड बनाएंगे। फिलहाल यह रिकॉर्ड अमित शाह के नाम है। वह 49 साल की उम्र में अध्यक्ष बने थे। जबकि नितिन गडकरी 52 साल की उम्र में राष्ट्रीय अध्यक्ष बने थे। वहीं 76 साल के लाल कृष्ण आडवाणी के नाम सबसे अधिक उम्र के भाजपा अध्यक्ष बनने का रिकॉर्ड है।

संक्षिप्त समाचार

सनातन का अर्थ समझें युवा..., बृजभूषण शरण सिंह बोले-सांस्कृतिक विरासत आगे बढ़ाने में निभाएं सक्रिय भूमिका

बाराबंकी पहुंचे बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि युवा सनातन का अर्थ समझें। अपनी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। यूपी के बाराबंकी में श्री खाटू श्याम मंदिर में सोमवार को एक समारोह का आयोजन किया गया। इसमें शामिल होने के लिए पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह भी पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज सनातन धर्म के लोगों से यह सवाल किया जा रहा है कि उन्होंने समाज के लिए किया ही क्या है? ऐसे माहौल में सबसे अधिक आवश्यकता युवाओं के जागृत होने की है। ताकि, वे अपनी संस्कृति, परंपरा और मूल विचारधारा को सही मायनों में समझ सकें।बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि इसी उद्देश्य से वह नंदिनी नगर में एक विशेष आध्यात्मिक आयोजन कर रहे हैं। इस आयोजन का मकसद युवाओं को सनातन धर्म की मूल भावना से जोड़ना है। उन्हें यह बताना है कि सनातन धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन जीने की एक व्यापक और समावेशी पद्धति है।उन्होंने कहा कि आज का युवा भ्रम और भटकाव का शिकार हो रहा है। समाज को दिशा देने का काम किया है। इसकी परंपराओं में मानवता, सहिष्णुता और राष्ट्रभाव निहित है। इन मूल्यों को समझे बिना कोई भी समाज आगे नहीं बढ़ सकता है। बृजभूषण शरण सिंह ने अंत में कहा कि नंदिनी नगर में होने वाले आध्यात्मिक कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को यह समझाया जाएगा

सीएम योगी ने जनता दर्शन में सुनीं लोगों की समस्याएं, हर समस्या के निस्तारण के दिए निर्देश

सीएम योगी बोले- सरदार पटेल की देश के प्रति सेवाएं एक चिरस्मरणीय अध्याय है

सीएम योगी ने जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं। उनकी हर समस्या के निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। कहा कि हर जरूरतमंद की सेवा ही सरकार का लक्ष्य है।राजधानी लखनऊ में सोमवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान वह विभिन्न जिलों से आए हर फरियादी से मिले। उनका प्रार्थना पत्र लेकर अधिकारियों को उचित कार्रवाई के निर्देश दिए।अन्नदाता की समृद्धि के लिए लगातार काम कर रही सरकार- शाहजहांपुर से आए किसान ने धान खरीद केंद्र में लापरवाही की शिकायत की। इस पर सीएम ने कहा कि सरकार अन्नदाता किसानों की समृद्धि के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्हें किसी प्रकार की समस्या न हो, शासन-प्रशासन के अधिकारी इसका ध्यान रखें। सीएम ने शाहजहांपुर के डीएम को निर्देशित किया कि क्रय केंद्रों का औचक निरीक्षण करें। किसी भी केंद्र पर धान ले जाने वाले किसानों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। वहीं एक पीएसी के सिपाही ने भी अपनी समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर निस्तारण का निर्देश दिया। प्रयागराज से भी कुछ फरियादी अपनी शिकायत लेकर पहुंचे। प्रयागराज के जिला व पुलिस-प्रशासन को उनके निस्तारण के लिए निर्देशित किया गया। प्रदेशवासियों की सेवा, सुरक्षा व सम्मान के लिए सरकार प्रतिबद्ध इस मौके पर सीएम ने कहा कि हर जरूरतमंद की सेवा ही सरकार का लक्ष्य है। सरकार पहले दिन से ही लोगों की सेवा, सुरक्षा व सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। साढ़े आठ वर्ष में जनता की समस्या सुनने और उसके निराकरण के लिए सरकार नियमित रूप से कार्य कर रही है। बच्चों को दी चॉकलेट... पढ़ाई के बारे में भी पूछा - मुख्यमंत्री ने अभिभावकों के साथ आए बच्चों से भी मुलाकात की। उन्होंने सभी से नाम पूछा और चॉकलेट दी। मन लगाकर पढ़ाई करने को कहा। बच्चों को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद भी दिया।भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने देश के पहले गृहमंत्री के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि देश सदैव लौहपुरुष के रूप में उन्हें याद करता रहेगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आधुनिक भारत के शिल्पकार, भारत रत्न लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सीएम ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि भी अर्पित की। सीएम योगी ने सरदार पटेल के व्यक्तित्व, कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सरदार पटेल का यशस्वी नेतृत्व और लंबे समय तक प्राप्त होता, लेकिन देश का दुर्भाग्य रहा कि 15 दिसंबर 1950 को उनका नश्वर शरीर जवाब दे गया। उनकी स्मृतियां, देश के प्रति सेवाएं व योगदान चिरस्मरणीय अध्याय बन गया। देश वर्तमान भारत के शिल्पी के रूप में सदैव लौहपुरुष का स्मरण करेगा।सीएम योगी ने कहा कि लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल का जन्म 31 अक्टूबर 1875 को गुजरात के करमसद में सामान्य किसान परिवार में हुआ था। उन्होंने अपने परिश्रम से उच्च शिक्षा अर्जित की। इसके पीछे उनका उद्देश्य आजीविका प्राप्त कर विदेशी हुकूमत की नौकरी करना नहीं, बल्कि देश-दुनिया को समझकर अपनी प्रतिभा व ऊर्जा का लाभ भारत मां के चरणों में समर्पित करना था। सरदार पटेल ने आजादी के आंदोलन को नेतृत्व दिया। कई बार जेल की यातनाएं सहीं लेकिन आजादी के आंदोलन से विचलित नहीं हुए। देश जब आजाद हो रहा था, उस समय उन्होंने पुरजोर तरीके से भारत के विभाजन का विरोध किया। उन्होंने 567 रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाया। देश वर्तमान भारत के शिल्पी के रूप में सदैव लौहपुरुष का स्मरण करेगा। सीएम योगी ने कहा कि जूनागढ़ का नवाब व हैदराबाद का निजाम भारत गणराज्य में शामिल नहीं होना चाहते थे। जब देश आजाद हो रहा था, तब अंग्रेजों ने टू नेशन थ्योरी को लागू किया और देसी रियासतों को स्वतंत्रता दी कि वे चाहें तो भारत गणराज्य में शामिल हों, पाकिस्तान में शामिल हों या स्वतंत्र अस्तित्व बनाए रखें। सभी हिंदू रिसायतों ने भारत का हिस्सा बनने पर सहमति दी, लेकिन जूनागढ़ का नवाब और हैदराबाद के निजाम ने मना कर दिया। सरदार पटेल की सूझबूझ के परिणामस्वरूप उनके रक्तहीन क्रांति के माध्यम से दोनों रिसायतें भारत का हिस्सा बनीं। जूनागढ़ के नवाब और हैदराबाद के निजाम को देश छोड़कर भागना पड़ा। पं. नेहरू ने कश्मीर को विवादित करने का कार्य किया, जिससे वह भारत को डसता रहा सीएम योगी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर रियासत कहां शामिल हो, इसे लेकर असमंजस की स्थिति थी, तब जवाहर लाल नेहरू ने कहा कि मैं पहल करूंगा। जम्मू-कश्मीर पं. नेहरू के हाथों में था, लेकिन उन्होंने जम्मू-कश्मीर को इतना विवादित करने का कार्य किया

विकसित भारत 'जी राम जी' बिलः मनरेगा का नाम बदलने पर प्रियंका का सवाल- क्यों हटा रहे गांधी जी का नाम?

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून (MGNREGA) का नाम बदलने के फैसले को लेकर सरकार कटघरे में है। केंद्र सरकार संसद में विधेयक पेश कर इस योजना का नाम बदलने की तैयारी में है। अब सियासी आलोचकों की दलील है कि नई योजना का नाम ऐसा रखा गया है कि संक्षेप में इसे विकसित भारत जी राम जी (Viksit Bharat G Ram G) पढ़ा जा रहा है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सरकार से तीखे सवाल किए हैं।कांग्रेस ने सरकार को MGNREGA का नाम बदलने से लेकर राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में वायु प्रदूषण की गंभीर स्थिति तक पर घेरा है। केरल से निर्वाचित पार्टी सांसद प्रियंका गांधी ने सरकार से तीखे सवाल पूछे हैं। भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी सांसदों को व्हिप जारी कर मनरेगा का नाम बदलने संबंधी विधेयक पारित कराते समय सदन में मौजूद रहने का निर्देश दिया है। सरकार का तर्क है कि यह बदलाव विकसित भारत 2047 के लक्ष्य के तहत है। मनरेगा का नाम बदलने के निर्णय को लेकर केंद्र सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुए प्रियंका गांधी ने सवाल किया कि योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाने के पीछे सरकार की नीयत क्या है? तृणमूल कांग्रेस सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने भी सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। मनरेगा के अलावा कांग्रेस पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने दिल्ली में वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए किए जाने वाले उपाय-GRAP को लेकर सरकार का घेराव किया है। महात्मा गांधी का नाम क्यों हटाया जा रहा है? प्रियंका ने संसद परिसर में पत्रकारों के एक सवाल पर कहा, जब भी किसी योजना का नाम बदला जाता है, तो कार्यालयों, स्टेशनरी आदि में बड़े पैमाने पर बदलाव करने पड़ते हैं। ऐसी गतिविधियों पर सरकार का बहुत पैसे खर्च करती है। उन्होंने सवाल किया कि नाम बदलने का फायदा क्या है? यह सब क्यों किया जा रहा है? महात्मा गांधी का नाम क्यों हटाया जा रहा है? समय बर्बाद हो रहा है, पैसा बर्बाद हो रहा है... कांग्रेस सांसद प्रियंका ने कहा, महात्मा गांधी को न केवल देश में बल्कि विश्व में सबसे महान नेता माना जाता है; इसलिए उनका नाम हटाने के पीछे का उद्देश्य मेरी समझ से परे है। उनका इरादा क्या है? केरल की वायनाड लोकसभा सीट से निर्वाचित सांसद ने लोकसभा की कार्यवाही के दौरान समय के सदुपयोग का जिक्र करते हुए कहा, जब हम बहस करते हैं, तब भी वह अन्य मुद्दों पर होती है, न कि जनता के वास्तविक मुद्दों पर। समय बर्बाद हो रहा है, पैसा बर्बाद हो रहा है, वे खुद को ही परेशान कर रहे हैं। मनरेगा का नाम बदलने पर तृणमूल कांग्रेस ने भी घेरा- ग्रामीण रोजगार के लिए केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी योजना- मनरेगा पर एक अन्य विपक्षी दल तृणमूल कांग्रेस ने भी सरकार को कटघरे में खड़ा किया। तृणमूल के राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि सरकार का यह कदम महात्मा गांधी का अपमान है। उन्होंने कहा, ये वही लोग हैं जिन्होंने महात्मा गांधी के हत्यारे की पूजा की थी। वे महात्मा गांधी का अपमान करना चाहते हैं और उन्हें इतिहास से मिटा देना चाहते हैं। वाम दल ने भी किया विरोध- सीपीआईएम महासचिव एमए बेबी ने इसे तथ्य को छिपाने का प्रयास बताया। उन्होंने दावा किया, मनरेगा के पूर्ण पुनर्गठन को लेकर केंद्र सरकार दिखावा कर रही है। तथ्य को छिपाने का प्रयास किया जा रहा है। जिस बुनियादी अधिकार-आधारित ढांचे के तहत मनरेगा की योजना संचालित होती थी, उसे खत्म किया जा रहा है। केंद्र सरकार फंड में भी कटौती कर रही है। जिम्मेदारी राज्यों पर डाली जा रही है। केंद्र अब विपक्षी दलों की सरकारों वाले राज्यों को मिलने वाले फंड में कटौती कर उन्हें दंडित कर सकता है। बेबी ने दावा किया कि इससे ग्रामीण संकट और बढ़ जाएगा। हम संसद के अंदर से लेकर बाहर तक सरकार के इस विनाशकारी कदम के खिलाफ जमकर विरोध करेंगे। विकसित भारत जी राम जी योजना, क्या बदलाव होंगे? दरअसल, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) की सरकार ने साल 2005 में इस योजना की शुरुआत की थी। मनरेगा को ग्रामीण अर्थव्यवस्था में एक बड़े बदलाव की तरह देखा गया। अब प्रस्तावित नए नाम- विकसित भारत गारंटी रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) को संक्षेप में विकसित भारत जी राम जी (VB-G RAM G) लिखा जा रहा है। सरकार ने इस योजना के ढांचे में कई महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं। नई योजना के तहत गारंटीयुक्त काम के दिनों की संख्या संख्या 100 से बढ़ाकर 125 दिन करने का प्रस्ताव है। नई योजना के प्रस्ताव में काम पूरा होने के 7 से 15 दिनों के भीतर मजदूरी का भुगतान अनिवार्य होगा। देरी होने पर बेरोजगारी भत्ता देने का भी प्रावधान है। प्रस्ताव के अनुसार कार्यों को चार प्रमुख वर्गों में बांटा जाएगा- जल सुरक्षा, ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका अवसंरचना और आपदा प्रबंधन। MGNREGA में बदलाव पर सरकार की दलील- गौरतलब है कि केंद्र प्रायोजित इस योजना के तहत प्रत्येक राज्य सरकार को कानून लागू होने की तारीख से छह महीने की अवधि के भीतर विधेयक के तहत प्रस्तावित गारंटी को प्रभावी बनाने के लिए योजना बनानी होगी। सरकार प्रत्येक राज्य के लिए कुछ मापदंडों के आधार पर अनुमानित आवंटन करेगी। स्वीकृत राशि से अधिक खर्च की जिम्मेदारी राज्य सरकारों की होगी। बदलावों के संबंध में ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि मनरेगा के तहत पिछले 20 वर्षों में ग्रामीण परिवारों को गारंटीकृत मजदूरी और रोजगार मिले हैं। उन्होंने कहा, बीते कुछ समय में ग्रामीण परिदृश्य में महत्वपूर्ण सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन हुए हैं। इसे देखते हुए योजना का सुदृढ़ीकरण जरूरी हो गया है। वायु प्रदूषण के मुद्दे पर जयराम रमेश ने GRAP को नाकाफी बताया- मनरेगा के अलावा कांग्रेस ने सरकार को प्रदूषण के मुद्दे पर भी कटघरे में खड़ा किया। दिल्ली में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर वर्गीकृत प्रतिक्रिया कार्य योजना (GRAP) को कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने नाकाफी बताया। उन्होंने कहा, स्वच्छ हवा के लिए केवल ग्रैप के मुद्दे पर ही काम करना काफी नहीं है। उन्होंने कहा कि इन योजनाओं के तहत संकट प्रबंधन पर जोर दिया जाता है, न कि संकट से बचाव पर। कांग्रेस बोली- सरकार का जवाब असंवेदनशील- संसद में एक सवाल पर सरकार के जवाब का जिक्र करते हुए रमेश ने कहा, 9 दिसंबर, 2025 को मोदी सरकार ने राज्यसभा में घोषणा की थी कि देश में ऐसा कोई निर्णायक डाटा उपलब्ध नहीं है जिससे यह साबित हो सके

संपादकीय Editorial

Investment in Tourism Growth

Earlier, we could only attract ordinary or budget tourists. We would feed them at dhabas or chaabaas. After the establishment of the Himachal Tourism Development Corporation, tourism changed, and so did the character of travelers. Public investment led to the creation of five or six destinations in the state, and correspondingly, private investment opened doors. Now, as tourism is establishing Himachal's reputation in the third phase, i.e., high-end tourism, investment will be required at a corresponding level. At the juncture of development at which Himachal stands, every aspect must be integrated with high-level tourism potential. The Atal Tunnel is a document of engineering and tribal connectivity, but its fame has connected it to a tourism pool where travelogues have evolved, elevating it to the pinnacle of personal experience. A new landscape has emerged in the uniqueness of tourism in Lahaul-Spiti, and investment is desired to meet its needs. Apparently, residents of the tribal district preferred investments that enhanced the homestay experience, and thus, Kaza's tours became popular. If new investment is made on new paths, away from the noise and full of experience, then Himachal's economic potential will also change. On the contrary, we are diluting tourism so much that even the natural beauty and tranquility are being covered with cement walls. In such a situation, if investment is made away from the crowds and noise, which can provide a peaceful haven to the capable tourist, then that is high-end tourism. Being an excellent paragliding site, Bir-Billing had the opportunity to develop from a tourism perspective, but easy investment has transformed all the natural beauty into one-sided tourism or a sea of ??crowds. In the pursuit of stress-free tourism in Himachal, investment guidelines should be clear. In recent years, Himachal's development journey has strengthened its ambitions by endorsing mass tourism, but it has also lost many opportunities. For example, the journey to Triund, which originated from eco-tourism, has become a mere spectacle. We've turned Shikari Devi into an annual fair. In such a scenario, where is the space for high-end tourists? Of course, the expansion of Kangra Airport will change the perspective of tourism, and this will lead to many new developments, but our investment focus must also change. Wealthy international tourists should be assured of privacy and comfort right now. Through eco-tourism, Himachal can transform its vision and context. If we are to attract high-end tourists to Himachal through investment, we must also develop a plan for events, infrastructure, and entertainment. Dozens of rest houses in the state are located in places where private investment will transform the lives of our tourists. Furthermore, investors must be invited to integrate hospitals in tourist destinations into health tourism. Dharamshala attracts all kinds of tourists due to the Dalai Lama's presence, but had we chosen tourism based on His Majesty's presence, the aura of high-end tourism would have enhanced the aura of Manali as well as its high-end potential. Just as the cricket stadium inspired the development of many five-star hotels, similarly, Himachal can elevate its image, purpose and economy by providing opportunities for investment in golf grounds, film city, science city, botanical garden, butterfly garden, tulip and tea tourism.

The government should address small exporters; the e-commerce export journey should not become a story of digital dependence.

The article states that India's export ecosystem is at a critical juncture, with over 60 million MSMEs using e-commerce exports to access global markets. A new warehouse-based export model could turn small sellers into domestic suppliers, reducing their control over pricing and reducing profits. The article emphasizes the need to strike a balance between self-reliance, value addition, and digital empowerment with policies based on self-reliance. India's MSMEs have reached global markets through e-commerce exports. The warehouse model could transform small sellers into suppliers. A focus on digital empowerment and self-reliance is needed. India today stands at a critical juncture in its export ecosystem. The country's over 60 million micro, small, and medium enterprises (MSMEs) form the backbone of the world's largest artisan, craftsman, and small entrepreneurial community. These small entrepreneurs, handloom weavers, and handicraft artisans have found a new and effective way to access global markets through e-commerce exports. International online platforms have enabled small Indian sellers to reach consumers in over 200 countries without the need for an overseas office. The digital marketplace and India's creative, cost-effective production system have expanded opportunities for small Indian sellers in global trade. Over the past decade, the e-commerce-based direct-to-consumer model has significantly empowered India's small producers. In this model, products are shipped directly from India upon receipt of orders from foreign customers, reducing entry costs and enabling even home-based entrepreneurs to start international trade. Global demand for India's handicrafts, textiles, jewelry, natural, and traditional products is growing. This model has become a source of income and recognition, especially for small enterprises, despite the challenges they face with customs, payment settlement, and taxation. Now, a new change is about to impact this entire ecosystem. Major global e-commerce companies want to allow a warehouse-based export model from India, where Indian sellers would store goods in the marketplace's domestic warehouse, and the marketplace would then export and sell these products abroad. This change would alter the role of Indian sellers. They would no longer be exporters, but merely domestic suppliers. As exporters, marketplaces would have complete control over pricing, inventory, overseas distribution, and forex receipts. While this model is already being adopted in countries like China, Vietnam, and Malaysia, its profound and long-term implications in the Indian context are concerning. The warehouse model could lead to smaller sellers losing control over pricing, as marketplaces can exert pressure on prices by knowing the cost structure of all suppliers. This would turn smaller sellers into "price-takers," significantly reducing their profit margins. Marketplaces could retain the entire retail margin earned in the foreign market, while Indian sellers would receive only the wholesale rate, a small portion of the final selling price. This model also has the potential to reduce India's actual export value. Today, when an Indian seller sells a carpet abroad for ?2,000 directly, the entire ?2,000 is recorded in India's foreign exchange. However, under the warehouse model, the same carpet would be purchased by marketplaces for ?1,100–?1,200, and this amount would be recorded as India's export value. This would not only reduce India's official export value, but in many cases, marketplaces could also remit profits abroad through their overseas subsidiaries, thereby reducing India's tax base. As marketplaces purchase on a large scale at lower rates, the profits of millions of artisans could decline. This loss of profit could lead many entrepreneurs to compromise on quality, damaging India's global brand reputation. When exports are done in the name of marketplaces, Indian products could lose their identity and uniqueness. India's trade and MSME policy has long been based on self-reliance, value addition, and digital empowerment. Initiatives like One District One Product, Make in India, Digital India, Skill India, and the Foreign Trade Policy are working to directly connect small entrepreneurs with the global market. In this context, the warehouse model contradicts the very objective of democratizing digital markets. India needs to strike a balance in policymaking, but not at the cost of sacrificing the autonomy and identity of small exporters. India could develop neutral e-commerce export hubs under the PPP model, which would aggregate MSME products and facilitate exports, while retaining the exporters. While the warehouse model appears convenient on the surface, it could weaken India's grassroots export infrastructure and turn millions of entrepreneurs into mere suppliers. India's e-commerce export journey has so far been a story of digital inclusion, women's empowerment, and creative entrepreneurship. Our priority should be to ensure that it does not become a story of digital dependency. India needs a robust and value-sharing digital export ecosystem, not a foreign platform-dominated warehouse model. Protecting small exporters is not a sign of protectionism, but rather the economic foresight necessary for a self-reliant, inclusive, and value-focused export future. In the digital age, physical trade infrastructure is as important as data and platform control. India must ensure that the autonomy of small producers is protected, price transparency is maintained, and export profits are recorded in India.

Maoist stronghold freed from terror, a ray of development, peace, and trust is visible.

The country is now becoming free from Maoism, thanks to strong political will and effective actions by the security forces. In Chhattisgarh, over the past 22 months, security forces have killed more than 487 Maoists, and 2,240 have surrendered. The government's plans focus on the development of these areas and the upliftment of the local people. The country is becoming free from Maoism with strong will. Maoists are being forced to surrender. The light of development and trust is shining. The country is now becoming free from Maoism. This situation has been created due to strong political will and effective actions by the security forces. The leadership of Prime Minister Modi and Union Home Minister Amit Shah has shown the direction to bring the country to a decisive stage in the fight against Maoist terror. On the one hand, the Central Armed Police Forces, in conjunction with the state police forces, are roaring into Maoist strongholds, forcing them to surrender, while on the other, the government's plans are focused entirely on the development of these areas and the resurgence of the local people. As a result, the Red Corridor, once shrouded in violence and insecurity, is now a beacon of development, peace, and trust. Statistics bear witness to this: in the last 22 months, security forces in Chhattisgarh have killed over 487 Maoists, 2,240 have surrendered, and 1,833 have been arrested. This success is a record in itself. Areas that once echoed with gunfire now boast schools, roads, hospitals, and mobile towers. The recent killing of senior Maoist Central Committee leaders—Sudhakar, Basavaraju, and Hidma—has completely shaken the Maoist infrastructure in Chhattisgarh and other bordering states. The Karreguda operation in Bijapur has become a symbol of this change. The Chhattisgarh government has implemented the country's most attractive rehabilitation policy to bring surrendered Maoists and Maoist-affected people into the mainstream. Not only rehabilitation, but the financial assistance provided by the state government to surrendered Maoists also plays a crucial role in achieving this goal. Under this policy, all surrendered Maoists have been provided with a monthly assistance of ?10,000 for three years. Residential plots have been provided in urban areas and agricultural land in rural areas. A major positive change in government policy is that the rewards previously given to security forces are now being given to surrendering individuals. Furthermore, the rewards have been doubled for the collective surrender of more than 80 percent of the members. The BJP government led by Chief Minister Vishnudev Sai has amended the surrender policy and increased the financial assistance amount, resulting in an increase in Maoist surrenders. 15,000 Prime Minister's houses are under construction for the rehabilitation of surrendered Maoists and Maoist-affected families. Roads, health, education, mobile connectivity, and basic services are reaching remote villages faster than ever before. In 403 villages, 81,090 Aadhaar cards, 49,239 Ayushman cards, 5,885 Kisan Samman Nidhi cards, and 98,319 families are receiving free rations. Twenty-one new roads, mobile towers, sub-health centers, and fair price shops have transformed lives. Bastar in Chhattisgarh, once a cursed region, is now emerging as a new investment destination. Under the new Industrial Policy 2024-30, investment proposals worth over ?967 crore have been received in local resource-based industries, steel, food processing, agro-industry, dairy, tourism, and wellness sectors. A new industrial area encompassing 118 acres has been identified around the Nagarnar Steel Plant. Private investment of ?1,000 crore in the MSME and service sectors is generating over 2,100 employment opportunities through new industries. A 350-bed multi-specialty hospital and medical college are set to be established in Jagdalpur. These projects, with a total investment of over ?700 crore, are steps towards making Bastar a medical hub. Additionally, employment, skills, and entrepreneurship are being expanded, with 90,273 youth receiving skill training and 39,137 employed, and training in IT, automotive, construction, and solar fields. Modern rice mills, food processing units, and cold storage facilities are increasing farmers' incomes. Agritech projects are modernizing agriculture. When law and order is in place, roads are good, and youth are employed, a region's image is positively impacted by people in other states. This increases tourism potential. This has happened in Bastar as well. Now, efforts are underway to elevate Bastar's tourism profile to the global stage. Dhudmaras has been declared the best tourist village by the United Nations. Additionally, modern facilities have been expanded in Chitrakoot, Tirathgarh, and Kanger Valley. Adventure tourism, glass bridges, canopy walks, and homestays are being encouraged here. Tourism has provided employment to thousands of local people. It's clear that the government is now bringing about change not just through plans, but on the ground. Maoism, once the biggest security challenge within India, has now been confined to a limited area through coordinated efforts by the central and state governments. Development is now taking its place.

बहुत बड़े नेता बनते हो सुधार देंगे: मुरादाबाद से भाजपा विधायक के भाई पर हमला, दुकान बंद कर जा रहे थे घर

मुरादाबाद से भाजपा विधायक रितेश गुप्ता के भाई पर हमला कर दिया गया। इसमें वह जख्मी हो गए। मामले में एक आरोपी को हिरासत में लिया गया है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर रही है। मुरादाबाद नगर विधायक रितेश गुप्ता के छोटे भाई सराफा कारोबारी अमित कुमार गुप्ता पर मंडी चौक में रविवार की रात स्कूटी सवार दो युवकों ने हमला बोल दिया। उनकी गर्दन दबाने के बाद डंडे से हमला कर दिया। शोर मचाने पर हमलावर मौके से भाग निकले।इस मामले में कोतवाली पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी अभिषेक मल्होत्रा को गिरफ्तार कर लिया है। अन्य तीन आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है। गांधीनगर निवासी नगर विधायक के छोटे भाई अमित कुमार गुप्ता (45) की मंडी में सराफा की दुकान है।उन्होंने दर्ज प्राथमिकी में बताया कि रविवार की रात साढ़े सात बजे वह दुकान बंदकर घर जा रहे थे। इस बीच मुगलपुरा निवासी स्कूटी सवार अभिषेक मल्होत्रा ने उनका रास्ता में रोक लिया। उसके साथ दो अन्य अज्ञात युवक भी थे। धमकाने लगे कि बहुत बड़े नेता बनते हैं, सुधार देंगे। इस बीच उसने अमित से बहस करते हुए गर्दन पकड़ ली। अभिषेक के हाथ में तमंचा था। इस बीच उसके दो अन्य साथियों ने डंडे से वार कर दिया। जमीन पर गिरने पर बचाव के लिए विधायक के भाई ने आवाज लगाई।इस बीच हमलावर अभिषेक और अमन ने उनकी गर्दन पकड़ ली। लिया। मंडी चौक क्षेत्र के दुकानदारों के आने पर हमलावर मौके से भाग निकले। घटना की सूचना मिलने के बाद विधायक और अन्य लोग मौके पर पहुंचे। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस सक्रिय हो गई। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की मदद से मुगलपुरा क्षेत्र के रहने वाले अभिषेक मल्होत्रा को हिरासत में ले लिया। भाजपा नेता पहुंचे अस्पताल विधायक के भाई पर हमले की जानकारी मिलने के बाद भाजपा महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला सहित अन्य नेता जिला अस्पताल पहुंचे। इस मामले में महानगर अध्यक्ष ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। इस दौरान भाजपा नेता संजीव आनंद और धर्मेश आदि ने विधायक के भाई के बारे में जानकारी ली। भाई पर हमला करने वाले मनबढ़ नगर विधायक रितेश गुप्ता ने बताया कि उनके छोटे भाई सिर्फ कारोबार से मतलब रखते हैं। घटना में शामिल युवक मनबढ़ किस्म के हैं। इस मामले में पुलिस की पूछताछ के बाद जानकारी मिल सकेगी। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी घायल अमित गुप्ता को जिला अस्पताल लाया गया। डॉक्टरों ने उन्हें सिटी स्कैन और एक्सरे कराने की सलाह दी। सराफ अमित गुप्ता ने बताया कि वह हमलावरों को नहीं जानते हैं। उनका हमलावरों से पहले कभी संपर्क नहीं हुआ था। इस मामले में विधायक के भाई की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने देररात धारा 109 (1), 115 (2) 126(2), 3 (5), 351 (2) के तहत अभिषेक, अमन और दो अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज ली है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। वहीं शहर विधायक के भाई पर हमले की सूचना मिलते ही समर्थक अस्पताल पहुंच गए। घटना के बाद पुलिस ने जांच के आधार पर मुगलपुरा निवासी आरोपी अभिषेक मल्होत्रा को हिरासत में ले लिया है। पता चला कि स्कूटी से टक्कर होने के बाद यह घटना हुई है। पुलिस पूछताछ कर पूरी जानकारी लेगी। शीघ्र पूरे घटना का पता चल जाएगा। – कुमार रणविजय सिंह, एसपी सिटी

संक्षिप्त समाचार

मुठभेड़ के बाद 50 हजार का इनामी पकड़ा, पैर में लगी गोली, बरेली निवासी ने तमंचा दिखा लूटे थे गहने

चंदौसी के नेहटा में हुई मुठभेड़ में एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। उसके पैर में गोली लगी है। पचास हजार के आरोपी ने मुरादाबाद के भोजपुर में एक महिला को गहने लूटे थे। थाना बनियाठेर क्षेत्र के गांव नेहटा के जंगल में सोमवार सुबह चेकिंग के दौरान मुठभेड़ होने के बाद 50 हजार का इनामी इमरान निवासी बरेली को गिरफ्तार किया गया है। इमरान भोजपुर में हुई लूट में वांछित चल रहा था। मुठभेड़ में उसके पैर में गोली लगी है। वहीं सिपाही नीरज भी जख्मी हुआ है।घायल बदमाश और सिपाही को सीएचसी लाया गया। जहां चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सीओ मनोज कुमार सिंह ने बताया कि सुबह बनियाठेर प्रभारी मनोज कुमार वर्मा टीम के साथ गांव नेहटा के जंगल में चेकिंग कर रहे थे।उसी समय बाइक सवार इमरान को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया तो उसने पुलिस टीम पर जानलेवा हमला करते हुए फायरिंग कर दी। जवाब में पुलिस ने भी फायर किया। जो इमरान के पैर में लगी। मुठभेड़ के दौरान सिपाही नीरज जख्मी हो गए। दोनों को चंदौसी सीएचसी ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सीओ ने बताया कि गिरफ्तार बदमाश इमरान जनपद मुरादाबाद के भोजपुर में हुई लूट की घटना में वांछित चल रहा था। उसके पास से एक तमंचा, दो कारतूस, एक बिना नंबर प्लेट की बाइक बरामद की है। अन्य विधिक कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार इमरान पर 50 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था। आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है। सीओ ने बताया कि 24 सितंबर की रात पीपलसाना में इमरान ने तीन साथियों के साथ मिलकर एक महिला को तमंचा दिखाकर उसके कुंडल लूटे थे। इस संबंध में भोजपुर थाना में रिपोर्ट दर्ज है।

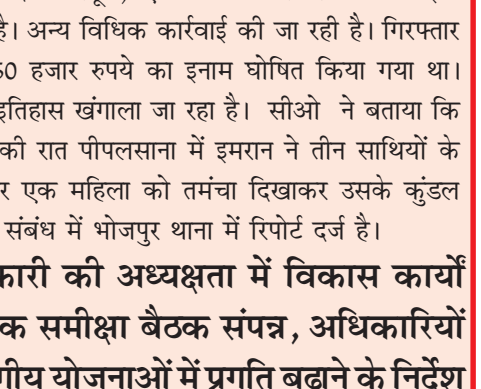

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न, अधिकारियों को विभागीय योजनाओं में प्रगति बढ़ाने के निर्देश

जिलाधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में सीएम डैशबोर्ड के अनुसार विकास कार्यों की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। समीक्षा बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने छात्रवृत्ति योजना, उद्यान, कृषि, बेसिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा, विद्युत, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, प्रधानमंत्री आवास योजना, दुग्ध विकास, पशुपालन विभाग, पेंशन योजना, मत्स्य उत्पादन, ग्रामीण स्टेडियम, सिंचाई और आइजीआरएस सहित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के बारे में विस्तार पूर्वक समीक्षा की और विभागीय अधिकारियों को जरूरी दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जिला उद्यान अधिकारी को निर्देशित किया कि वे जनपद के इंटर कॉलेज एवं परिषदीय विद्यालयों में विभिन्न किस्म के आकर्षक फूलों की पौध लगवाएं ताकि विद्यालय परिसर में एक आकर्षक माहौल बने। उन्होंने जिला विद्यालय निरीक्षक और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को भी इस कार्य में जिला उद्यान अधिकारी को सहयोग प्रदान करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि प्राथमिक चरण में 50 विद्यालयों को उद्यान विभाग चिन्हित करके वहां आकर्षक और उन्नत किस्म की फूलों की पौध लगवाए। कृषि विभाग के अधिकारियों को भी जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि परिषदीय विद्यालयों के आसपास अत्यधिक घास एवं झाड़ी आदि के कारण बच्चों को समस्या उत्पन्न होती है इसलिए आवश्यकतानुसार चिन्हित विद्यालयों के आसपास घास एवं झाड़ियों की रोकथाम के लिए जरूरी दवाइयों का छिड़काव कराया जाए। ताकि बारिश आदि के दौरान बच्चों के लिए कोई दिक्कत न हो। छात्रवृत्ति योजना की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि बच्चों को पात्रता के अनुरूप छात्रवृत्ति का लाभ दिलाने में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। विद्यालयवार आवेदन पत्रों की मॉनिटरिंग की जाए और जिन विद्यालयों में आवेदन पत्र लंबित रखा गया है उनके कारण सहित रिपोर्ट तैयार होनी चाहिए। उन्होंने स्पष्ट तौर पर निर्देशित किया कि बच्चों की शिक्षा में कोई बाधा उत्पन्न नहीं होनी चाहिए।

मुरादाबाद मंडल में कोहरे की दस्तक, ठिठुरने लगा जनजीवन, गाड़ियों की रफ्तार पर ब्रेक

मुरादाबाद मंडल में कोहरे ने दस्तक दी है। इसके साथ ही ठंड अचानक बढ़ गई है। कई इलाकों में लोग अलाव जला रहे हैं। मौसम विभाग ने कोहरे को लेकर अलर्ट जारी किया है। सर्द हवाओं के बीच सोमवार सुबह शहरवासियों ने सीजन के पहले कोहरे का सामना किया। आधी रात के बाद शुरू हुई धुंध सुबह होते-होते घने कोहरे में बदल गई जिसने शहर के अंदरूनी इलाकों से लेकर हाईवे और ग्रामीण सड़कों तक अपनी चादर फैला दी। पहली बार छाए इस कोहरे ने ठिठुरन भी काफी बढ़ा दी और लोगों को गर्म कपड़ों में घरों से निकलना पड़ा। उधर मौसम विभाग ने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। सुबह पांच बजे के बाद दृश्यता बेहद कम हो गई। दिल्ली रोड, कांठ रोड, बाईपास, पाकबड़ा और बिलारी-कुंदरकी की ओर जाने वाले अधिकांश मार्गों पर वाहन रफ्तार नहीं पकड़ पाए। उन्हें गाड़ी की हेडलाइट और फॉग लाइट जलाकर सावधानी से गुजरना पड़ा। कोहरे की चादर गली-मोहल्लों में भी छाई रही। सुबह स्कूल जाने वाले बच्चों को ठंड ज्यादा महसूस हुई। कई बच्चों ने सिर से पैर तक ऊनी कपड़े पहने। राहगीरों ने कहा कि रविवार शाम से ही ठंडी हवा चल रही थी और रात होते-होते मौसम पूरी तरह से बदल गया। करीब दस बजे के बाद हल्की धूप निकलने पर लोगों को कुछ राहत मिली और दृश्यता में सुधार हुआ। इसके बाद यातायात भी सामान्य गति से चलने लगा। मौसम विभाग के अनुसार दिन का अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।तापमान में आई गिरावट और कोहरे की दस्तक से आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। अचानक बढ़ी ठंड का असर लोगों की दिनचर्या पर भी दिखा। नियमित सुबह की सैर करने वाले लोगों ने अपने समय में बदलाव किया और शाम के समय भी सड़कों पर आम दिनों के मुकाबले जल्दी सन्नाटा पसर गया।कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ. रविंद्र कुमार ने बताया कि यह मौसम सभी फसलों के लिए लाभकारी है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वह खेतों में हल्की सिंचाई करें। साथ ही उन्होंने पशुपालकों को भी सलाह दी है कि ठंड से जानवरों को ठंड से बचाने के लिए उपाय जरूर करें।डॉक्टरों ने दी स्वास्थ्य पर ध्यान देने की सलाह- फिजिशियन डॉ. सौभाग्य मिश्रा ने ठंड और कोहरे के मौसम में लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उनका कहना है कि मौसम बदलने से सर्दी-जुकाम, खांसी, अस्थमा और इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए लोगों को सिर, कान और पैर अच्छी तरह ढककर बाहर निकलना चाहिए। अस्थमा व सांस के मरीज सुबह विशेष तौर पर अपना ध्यान रखें और बाहर निकलने से बचें। बुजुर्ग और बच्चे भी अनावश्यक बाहर न निकलें। रात के समय बेहद ठंडे या खुले वातावरण में लंबे समय तक न रुकें। सर्दी से बचने के लिए की अलाव की व्यवस्था- ,ठंड बढ़ने पर नगर निगम की टीम भी सक्रिय हो गई। महापौर विनोद अग्रवाल के मुताबिक दोनों बस अड्डा, रेलवे स्टेशन, जिला अस्पताल व महिला अस्पताल में अलाव जलवाने की व्यवस्था की जा रही है। बताया कि शहर के सभी प्रमुख स्थानों पर अलाव जलवाने की व्यवस्था भी की जा रही है। इसके लिए विशेष टीम का गठन भी कर दिया गया है। साथ ही इसकी मॉनीटरिंग भी की जाएगी।

मुरादाबाद मंडल में कोहरे की दस्तक, ठिठुरने लगा जनजीवन, गाड़ियों की रफ्तार पर ब्रेक

मुरादाबाद मंडल में कोहरे ने दस्तक दी है। इसके साथ ही ठंड अचानक बढ़ गई है। कई इलाकों में लोग अलाव जला रहे हैं। मौसम विभाग ने कोहरे को लेकर अलर्ट जारी किया है। सर्द हवाओं के बीच

सोमवार सुबह शहरवासियों ने सीजन के पहले कोहरे का सामना किया। आधी रात के बाद शुरू हुई धुंध सुबह होते-होते घने कोहरे में बदल गई जिसने शहर के अंदरूनी इलाकों से लेकर हाईवे और ग्रामीण सड़कों तक अपनी चादर फैला दी। पहली बार छाए इस कोहरे ने ठिठुरन भी काफी बढ़ा दी और लोगों को गर्म कपड़ों में घरों से निकलना पड़ा। उधर मौसम विभाग ने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। सुबह पांच बजे के बाद दृश्यता बेहद कम हो गई। दिल्ली रोड, कांठ रोड, बाईपास, पाकबड़ा और बिलारी-कुंदरकी की ओर जाने वाले अधिकांश मार्गों पर वाहन रफ्तार नहीं पकड़ पाए। उन्हें गाड़ी की हेडलाइट और फॉग लाइट जलाकर सावधानी से गुजरना पड़ा। कोहरे की चादर गली-मोहल्लों में भी छाई रही। सुबह स्कूल जाने वाले बच्चों को ठंड ज्यादा महसूस हुई। कई बच्चों ने सिर से पैर तक ऊनी कपड़े पहने। राहगीरों ने कहा कि रविवार शाम से ही ठंडी हवा चल रही थी और रात होते-होते मौसम पूरी तरह से बदल गया। करीब दस बजे के बाद हल्की धूप निकलने पर लोगों को कुछ राहत मिली और दृश्यता में सुधार हुआ। इसके बाद यातायात भी सामान्य गति से चलने लगा। मौसम विभाग के अनुसार दिन का अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान नौ डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।तापमान में आई गिरावट और कोहरे की दस्तक से आने वाले दिनों में ठंड और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। अचानक बढ़ी ठंड का असर लोगों की दिनचर्या पर भी दिखा। नियमित सुबह की सैर करने वाले लोगों ने अपने समय में बदलाव किया और शाम के समय भी सड़कों पर आम दिनों के मुकाबले जल्दी सन्नाटा पसर गया।कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी डॉ. रविंद्र कुमार ने बताया कि यह मौसम सभी फसलों के लिए लाभकारी है। उन्होंने किसानों से अपील की है कि वह खेतों में हल्की सिंचाई करें। साथ ही उन्होंने पशुपालकों को भी सलाह दी है कि ठंड से जानवरों को ठंड से बचाने के लिए उपाय जरूर करें।डॉक्टरों ने दी स्वास्थ्य पर ध्यान देने की सलाह- फिजिशियन डॉ. सौभाग्य मिश्रा ने ठंड और कोहरे के मौसम में लोगों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है। उनका कहना है कि मौसम बदलने से सर्दी-जुकाम, खांसी, अस्थमा और इंफेक्शन का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए लोगों को सिर, कान और पैर अच्छी तरह ढककर बाहर निकलना चाहिए। अस्थमा व सांस के मरीज सुबह विशेष तौर पर अपना ध्यान रखें और बाहर निकलने से बचें। बुजुर्ग और बच्चे भी अनावश्यक बाहर न निकलें। रात के समय बेहद ठंडे या खुले वातावरण में लंबे समय तक न रुकें। सर्दी से बचने के लिए की अलाव की व्यवस्था- ,ठंड बढ़ने पर नगर निगम की टीम भी सक्रिय हो गई। महापौर विनोद अग्रवाल के मुताबिक दोनों बस अड्डा, रेलवे स्टेशन, जिला अस्पताल व महिला अस्पताल में अलाव जलवाने की व्यवस्था की जा रही है। बताया कि शहर के सभी प्रमुख स्थानों पर अलाव जलवाने की व्यवस्था भी की जा रही है। इसके लिए विशेष टीम का गठन भी कर दिया गया है। साथ ही इसकी मॉनीटरिंग भी की जाएगी।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

सेना में लेफ्टिनेंट बनकर नील शर्मा ने किया बरेली का नाम रोशन

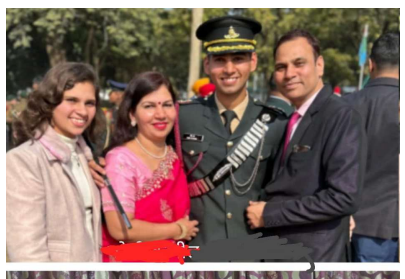

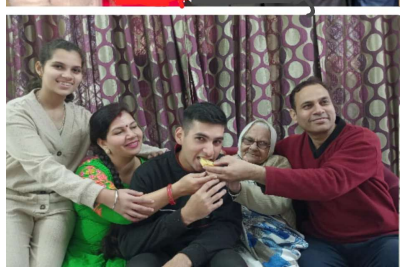

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बटलर प्लाजा के व्यवसायी शैलेश शर्मा के बेटे नील शर्मा ने भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर चयनित होकर बरेली का नाम रोशन किया है। उन्होंने बताया कि अपनी मेहनत और लगन के बल पर ऐसी उड़ान भरी कि वो सेना में लेफ्निेंट बन गया।

उनके चयन होने पर बधाई देने वालों का उनके घर पवन बिहार में तांता लगा रहा। उनके पिता बटलर प्लाजा में एक ऑप्टिकल सेंटर चलते हैं। जबकि माता सामान्य गृहणी हैं, उनकी छोटी बहन नोवीं क्लास में पढ़ाई कर रही है।

लेफ्टिनेंट नील की माता अलका शर्मा ने बताया कि यह नील की मेहनत और लगन का ही परिणाम है। एक सवाल के जबाब में लेफ्टिनेंट नील शर्मा ने बताया कि कठिन परिश्रम, अनुशासन और अटूट संकल्प से ही सफलता का मार्ग प्रशस्त होता है। पवन विहार निवासी लेफ्टिनेंट नील शर्मा ने, जिन्होंने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए), पुणे एवं भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए), देहरादून से कठोर प्रशिक्षण प्राप्त कर भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट के पद तक पहुँचने का गौरव हासिल किया।

यह जीआरएम के मेधावी छात्र रहे हैं। अपने चुनौती पूर्ण सफर को साझा करते हुए लेफ्टिनेंट नील शर्मा ने बताया कि लक्ष्य के प्रति अटूट समर्पण, नियमित अभ्यास और मानसिक दृढ़ता ने उन्हें इस मुकाम तक पहुँचाया। उन्होंने कहा कि आईएमए का प्रशिक्षण न केवल शारीरिक क्षमता को मजबूत करता है, बल्कि नेतृत्व कौशल, राष्ट्रभक्ति और जिम्मेदारी की भावना भी विकसित करता है। बातचीत के दौरान लेफ्टिनेंट नील शर्मा ने युवाओं को संदेश दिया कि असफलता से घबराने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेना में सेवा केवल एक पेशा नहीं, बल्कि देश के प्रति समर्पण, अनुशासन और सम्मान से जुड़ा हुआ जीवन-दर्शन है। लेफ्टिनेंट नील शर्मा के पिता शैलेश शर्मा बटलर प्लाजा के एक व्यवसायी हैं, माता अल्का शर्मा गृहिणी हैं, जबकि उनकी बहन भाव्या शर्मा कक्षा 9 में जीआरएम स्कूल में अध्ययनरत हैं। पूरे परिवार को उनकी इस उपलब्धि पर गर्व है।

दहेज के लालच में बेटी की हत्या, आरोपी गिरफ्तारी से बाहर, पीड़ित पिता ने पुलिस पर उठाए सवाल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली।। सुभाषनगर थाना क्षेत्र में दहेज हत्या के सनसनीखेज मामले में पुलिस की कार्रवाई से असंतुष्ट पीड़ित परिवार ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़ित पिता राजेश कुमार का कहना है कि मुकदमे में नामजद अधिकांश आरोपी आज भी खुलेआम घूम रहे हैं और उन्हें समझौते के लिए धमकाया जा रहा है। राजेश कुमार के अनुसार, उन्होंने अपनी बेटी ज्योति सैनी की शादी 1 नवंबर 2025 को लव शर्मा से पूरे हिंदू रीति-रिवाज के साथ साईं बैंकट हॉल में की थी। विवाह में करीब आठ लाख रुपये नकद, घरेलू सामान और मोटरसाइकिल दहेज में दी गई थी। इसके बाद भी ससुरालियों ने चार पहिया वाहन की मांग शुरू कर दी और ज्योति को प्रताड़ित किया जाने लगा। आरोप है कि 29 नवंबर 2025 को दहेज की मांग पूरी न होने पर पति लव शर्मा समेत ससुराल पक्ष के अन्य सदस्यों ने मिलकर ज्योति की हत्या कर दी। घटना के बाद थाना सुभाषनगर में पति, सास, जेठ, ननद और नंदोई सहित छह लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया। पीड़ित परिवार का आरोप है कि विवेचना के दौरान केवल पति को जेल भेजा गया है, जबकि बाकी आरोपी गिरफ्तारी से बच रहे हैं। साथ ही वे परिवार को धमका रहे हैं, जिससे उनकी जान-माल को खतरा बना हुआ है एसएसपी से सभी आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी, निष्पक्ष जांच और परिवार की सुरक्षा की मांग की हैं

काशी में MP के सीएम मोहन यादव: विश्वनाथ धाम व बाबा कालभैरव मंदिर में किए दर्शन, बोले- यहां आकर अच्छा लगता है

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को काशी आए। यहां उन्होंने बाबा विश्वनाथ और बाबा काल भैरव के दर्शन किए। वाराणसी में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सोमवार को पहुंचे। उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम व बाबा कालभैरव मंदिर में दर्शन किए। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में दर्शन के बाद गेट नंबर चार से निकलते हुए उन्होंने पत्रकारों से बातचीत भी की। उन्होंने नितिन नवीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर बधाई दी। कहा कि नई ऊर्जा के साथ भाजपा अब बाकी राज्यों में भी बढ़िया परफॉर्मेंस करेगी।सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि काशी आकर बहुत अच्छा लगता है। काशी पहले से बहुत बदल चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इस शहर का काफी विकास हुआ है।बता दें कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव लगभग 20 मिनट काशी विश्वनाथ मंदिर के अंदर रहे। इस दौरान उन्होंने कॉरिडोर की खुबसूरती का लुत्फ उठाया।

SIR को मजहबी रंग न दें अखिलेश

मुसलमानों के वोट काटे जाने वाले बयान पर बोले मौलाना

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा शुरू किया गया एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) कार्यक्रम पूरी तरह निष्पक्ष और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य देशभर में मतदाता सूची को दुरुस्त करना है, न कि किसी भी प्रकार का हिन्दू-मुस्लिम विभाजन पैदा करना। मौलाना रजवी ने कहा कि निर्वाचन आयोग का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि किस क्षेत्र में कितने वास्तविक मतदाता हैं, कितने लोग स्थानांतरित हो चुके हैं और किन लोगों का निधन हो गया है। इस कार्य के लिए हजारों बीएलओ और सरकारी कर्मचारियों को तैनात किया गया है। इसके बावजूद समाजवादी पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव इस प्रक्रिया को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं और यह आरोप लगा रहे हैं कि मुसलमानों के वोट काटे जा रहे हैं, जबकि हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार और परिपक्व नेता हर मुद्दे को धर्म के चश्मे से नहीं देखते, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं का सम्मान करते हैं। ऐसे बयान बचकाने और गैर-जिम्मेदाराना हैं।

अवशेष खनिज पदार्थों की धनराशि संस्थाओ से जमा कराने के संबंध में हुई बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली ।जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में अवशेष खनिज पदार्थों की धनराशि कार्यदायी संस्थाओ से जमा कराने के संबंध में बैठक सम्पन्न हुई।

बैठक में निर्देश दिये गए कि सार्वजनिक निर्माण कार्यों में प्रयुक्त उपखनिजों की आपूर्ति करते समय यह सुनिश्चित किया जायेगा कि प्राप्त किये जाने वाले उपखनिज नियमानुसार रायल्टी का भुगतान कर वैध अभिवहन प्रपत्र (ई-एम0 एम0-11) के आधार पर परिवहन किये गये है। यदि सार्वजनिक निर्माण कार्यों में कार्यदायी संस्था से सम्बन्धित ठेकेदार द्वारा किसी भी उपखनिज का प्रयोग बिना वैध अभिवहन प्रपत्र (ई-एम0 एम0-11) के किया जाता है, तब प्रयुक्त उपखनिज की रायल्टी के साथ-साथ खनिज मूल्य (सामान्यत: रायल्टी का पाँच गुना) की कटौती ठेकेदार के बिल से करते हुए निर्धारित लेखा शीर्षक ॥0853-अलौह खनन एवं धातुकर्म उद्योग-102 में जमा करा लिया जाये तथा ट्रेजरी चालान की एक प्रति जिलाधिकारी कार्यालय को भी भेज दी जाये।

खनन अधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि ह्वश्वद्दद्बठ्ठद्गह्य.ह्वश्वह्यस्रष्.द्दश्1.द्बठ्ठ पोर्टल से प्राप्त विवरण के अनुसार जनपद बरेली में वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं वित्तीय वर्ष 2025-26 के माह अप्रेल 2025 से अक्टूबर 2025 तक विभिन्न कार्यदायी संस्थाओं पर बिना अभिवहन प्रपत्र/अमान्य अभिवहन प्रपत्र के परिवहन किये जाने के फलस्वरूप रायल्टी, खनिज मूल्य एवं आई0एस0टी0पी0 की जमा/अवशेष धनराशि के बारे में जानकारी दी गयी और बताया गया कि कार्यदायी संस्थाओं द्वारा उक्त अवशेष धनराशि जमा न किये जाने के कारण वार्षिक लक्ष्य की पूर्ति नही हो पा रही है तथा मुख्यमंत्री पोर्टल पर जनपद की रैंकिंग भी प्रभावित हो रही है। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा उपस्थित सभी अधिकारियों को अवशेष धनराशि एक सप्ताह के अन्दर जमा कराने के निर्देश दिये गये तथा आगामी बैठक में जमा की सूचना सहित उपस्थित होने के निर्देश दिये गये।

मीटिंग में खनन अधिकारी सहित निर्माण एजेंसियो के प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे।

डिप्टी सीएम केशव बोले- 2047 तक भाजपा को कोई हिला नहीं पाएगा, 2027 के लिए जुट जाएं कार्यकर्ता

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य सोमवार को प्रयागराज पहुंचे। सर्किट हाउस में उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से मुलाकात की और आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी जुट जाने का आह्वान किया। प्रयागराज पहुंचे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कार्यकर्ताओं से मिशन 2027 में जुट जाने का आह्वान किया। डिप्टी सीएम ने कहा कि 2047 तक भाजपा को कोई हिला नहीं पाएगा। कार्यकर्ता पूरे जोश व उत्साह से 2027 के लिए लग जाएं। प्रयागराज के कार्यकर्ता संगठन को और सशक्त बनाएंगे ऐसा विश्वास है। डिप्टी सीएम चंद्रशेखर आजाद सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के दौरान उक्त बातें कही।डिप्टी सीएम ने उत्तर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी व पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन को बधाई देते हुए कहा कि एक सामान्य कार्यकर्ता भी संगठन के शीर्ष पद पर पहुंच सकता है ये भाजपा में ही संभव है। उन्होंने कहा कि नए राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन लंबा संगठनात्मक अनुभव रखते हैं व जमीन से जुड़े नेता माने जाते हैं। उनकी कार्यशैली ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का ध्यान खींचा और आज वे पार्टी के सर्वोच्च संगठनात्मक पद पर आसीन है।भाजपा में कार्यकर्ता के काम को सम्मान मिलता है। नितिन नबीन ने एक कर्मठ कार्यकर्ता के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। वे एक युवा और परिश्रमी नेता हैं, जिनके पास संगठन का अच्छा-खासा अनुभव है। बिहार में विधायक और मंत्री के रूप में उनका कार्य बहुत प्रभावी रहा है। साथ ही जन आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए उन्होंने पूरे समर्पण भाव से काम किया है। वे अपने विनम्र स्वभाव के साथ जमीन पर काम करने के लिए जाने जाते हैं। इस दौरान महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, निर्मला पासवान, महापौर गणेश केसरवानी, काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, कविता पटेल, राजेंद्र मिश्र, अमरनाथ मौर्य, मुरारी लाल अग्रवाल, शशि वार्ष्णेय, कुंज बिहारी मिश्रा, मनोज कुशवाहा आदि बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। विशेष ध्यान दें। महानगर, गंगापार व यमुनापार में इस विषय पर खास ध्यान देने की आवश्यकता है। मतदान केंद्र सही जगह पर हैं या नहीं, किस मतदाता का फार्म वापस आया है कौन किस जगह शिफ्ट हुआ है आदि विषयों पर सघन परिश्रम करने की जरूरत है। मतदाता सूची सही होगी तो 2027 में विजय सुनिश्चित है। कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत अभिनंदन- इससे पहले डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य का पुलिस लाइन हेलीपैड पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया। कार्यकर्ताओं ने पुष्प गुच्छ देकर डिप्टी सीएम का स्वागत किया। इस दौरान महानगर अध्यक्ष संजय गुप्ता, निर्मला पासवान, महापौर गणेश केसरवानी, काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश चंद्र गुप्ता, कविता पटेल, राजेंद्र मिश्र, अमरनाथ मौर्य, मुरारी लाल अग्रवाल, शशि वार्ष्णेय, कुंज बिहारी मिश्रा, मनोज कुशवाहा, किरण जायसवाल, विजय श्रीवास्तव, प्रवक्ता पवन श्रीवास्तव, सह मीडिया प्रभारी विवेक मिश्रा, विजय पटेल आदि नदी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

आउटर रिंग रोड...20 गांवों की भूमि अर्जन कर एनएचएआई को दिया कब्जा

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली। दिल्ली-लखनऊ के साथ बदायूं हाईवे को कनेक्ट करने के लिए प्रस्तावित पश्चिमी आउटर रिंग रोड के लिए 20 गांवों के कई किसानों की 410 करोड़ रुपये से भूमि अर्जन कर ली गई है। भूमि अर्जन के बाद विशेष भूमि अध्याप्ति अधिकारी कार्यालय ने एनएचएआई को कब्जा भी दे दिया है। अब एनएचएआई की टीम झुमका तिराहे से लेकर चौबारी तक रिंग रोड के निर्माण के लिए कार्य शुरू करेगा। रिंग रोड के निर्माण के लिए सभी अड़चनें भी दूर हो गई हैं। सरनियां के पास मूल्यांकन में हुई गड़बड़ी का मामला भी एनएचएआई ने सुलझा लिया है। आउटर रिंग रोड बरेली शहर से जाम की दिक्कत दूर करने के लिए प्रस्तावित किया है। झुमका तिराहे से चौबारी होते हुए इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी तक करीब 29 किमी लंबा रिंग रोड बनाया जाएगा। पहले चरण में झुमका से लेकर चौबारी तक के गांवों की भूमि अर्जन की गई है। करीब 29 किलोमीटर रिंग रोड पर 2117 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। परियोजना के लिए भूमि अर्जन और मुआवजा बांटने की प्रक्रिया जारी है। 32 गांवों की भूमि करीब 610 करोड़ से अर्जन की जाएगी। कलेक्ट्रेट स्थित विशेष भूमि अध्याप्ति कार्यालय भूमि अर्जन की कार्रवाई पूरी करा रहा है। अभी तक बादशाह नगर, बल्ला कोठा, बेहटी देह जागीर, बिरिया नरायनपुर, चौबारी मुस्तकिल, धंतिया, इटौआ सुखदेवपुर, महेशपुर अटरिया, महेशपुर ठाकुरान, महगवां उर्फ ऊंचागांव, परसाखेड़ा, रसूला चौधरी, रोधी मुस्तकिल, रोठा ऐतमाली, रोठा मुस्तकिल, सहसिया हुसैनपुर मुस्तकिल, सहसिया हुसैनपुर ऐतमाली, होते हुए कार्य शुरू किया जा रहा है।

सनातन का अर्थ समझें युवा..., बृजभूषण शरण सिंह बोले- सांस्कृतिक विरासत आगे बढ़ाने में निभाएं सक्रिय भूमिका

बाराबंकी पहुंचे बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि युवा सनातन का अर्थ समझें। अपनी सांस्कृतिक विरासत को आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएं। यूपी के बाराबंकी में श्री खाटू श्याम मंदिर में सोमवार को एक समारोह का आयोजन किया गया। इसमें शामिल होने के लिए पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह भी पहुंचे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज सनातन धर्म के लोगों से यह सवाल किया जा रहा है कि उन्होंने समाज के लिए किया ही क्या है? ऐसे माहौल में सबसे अधिक आवश्यकता युवाओं के जागृत होने की है। ताकि, वे अपनी संस्कृति, परंपरा और मूल विचारधारा को सही मायनों में समझ सकें।बृजभूषण शरण सिंह ने कहा कि इसी उद्देश्य से वह नंदिनी नगर में एक विशेष आध्यात्मिक आयोजन कर रहे हैं। इस आयोजन का मकसद युवाओं को सनातन धर्म की मूल भावना से जोड़ना है। उन्हें यह बताना है कि सनातन धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन जीने की एक व्यापक और समावेशी पद्धति है।उन्होंने कहा कि आज का युवा भ्रम और भटकाव का शिकार हो रहा है। ऐसे में उसे अपनी जड़ों से जोड़ना समय की जरूरत है। सनातन धर्म ने सदियों से समाज को दिशा देने का काम किया है। इसकी परंपराओं में मानवता, सहिष्णुता और राष्ट्रभाव निहित है। इन मूल्यों को समझे बिना कोई भी समाज आगे नहीं बढ़ सकता है। बृजभूषण शरण सिंह ने अंत में कहा कि नंदिनी नगर में होने वाले आध्यात्मिक कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को यह समझाया जाएगा कि सनातन धर्म क्या है, उसकी सोच क्या है? उसका योगदान केवल भारत ही नहीं बल्कि पूरी मानव सभ्यता के लिए कितना महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी सांस्कृतिक विरासत को पहचानें, उस पर गर्व करें और उसे आगे बढ़ाने में सक्रिय भूमिका निभाएं।

फ़र्रुखाबाद में नाला सफ़ाई के दौरान हादसा: JCB गिरी, मकान की दीवार ढही, बाल-बाल बचा चालक

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी / जनपद फरूखाबाद उत्तर प्रदेश/ फ़र्रुखाबाद नगर पालिका की नाला सफ़ाई के दौरान शनिवार रात मोहल्ला लाल दरवाजा में एक बड़ा हादसा हो गया। नाले की सफ़ाई के लिए लाई गई जेसीबी मशीन अचानक नाले में जा गिरी। हादसा और नुकसान मशीन के गिरते ही नाले की दीवार ढह गई, जिससे पास स्थित एक मकान को नुकसान पहुंचा। हादसे के दौरान नाले के पास स्थित एक स्थानीय निवासी के मकान की दीवार भी ढह गई। मकान मालिक को आर्थिक नुकसान हुआ है। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। स्थानीय लोगों के मुताबिक, सोमवार रात नगर पालिका द्वारा नाले की सफ़ाई कराई जा रही थी। इसी दौरान भारी भरकम जेसीबी मशीन नाले के किनारे काम कर रही थी। अचानक नाले की दीवार कमज़ोर पड़ गई और जेसीबी का संतुलन बिगड़ गया। मशीन के वज़न और दबाव से दीवार भरभराकर गिर गई और जेसीबी सीधे नाले में समा गई। चालक सुरक्षित- हादसे के वक्त जेसीबी चला रहे चालक कन्हैया सुरक्षित बच गए। स्थानीय लोगों और अन्य कर्मचारियों ने उन्हें तुरंत बाहर निकाल लिया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग घरों से बाहर निकल आए। नगर पालिका पर गंभीर आरोप और स्थायी समाधान की मांग स्थानीय निवासियों ने नगर पालिका पर गंभीर आरोप लगाए हैं। लोगों का कहना है कि हर साल नाले की दीवार का निर्माण कराया जाता है, लेकिन उसकी गुणवत्ता इतनी खराब होती है कि वह एक बरसात भी नहीं झेल पाती और टूट जाती है। उनका मानना है कि इसी घटिया निर्माण के चलते यह हादसा हुआ। एक साल से नहीं हुई थी सफ़ाई- मोहल्लेवासियों के अनुसार, पिछले करीब एक साल से नाले की सफ़ाई नहीं कराई गई थी। नाले में गंदगी और सिल्ट जमने से जलभराव की समस्या बनी हुई थी। इसको लेकर लोगों ने कई बार नगर पालिका चेयरमैन और स्थानीय सभासद से शिकायत की, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। स्थायी समाधान की मांग- लंबे इंतज़ार के बाद जब नाला सफ़ाई शुरू हुई, तो लापरवाही और कमज़ोर निर्माण के कारण हादसा हो गया। अब मोहल्लेवासियों ने खुले नाले में सीवर पाइप डलवाने की मांग उठाई है। उनका कहना है कि जब तक ठोस समाधान नहीं होगा, तब तक ऐसे हादसों की आशंका बनी रहेगी।

फर्रुखाबाद के स्वर्ग धाम का 74 लाख की लागत से होगा सुंदरीकरण, विधायक और जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद । फर्रुखाबाद सदर से भाजपा विधायक मेजर सुनील दत्त द्विवेदी और जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने शनिवार को स्वर्ग धाम (श्मशान घाट) का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान अंतिम संस्कार में आने वाले लोगों की सुविधा के लिए विभिन्न विकास कार्यों पर चर्चा की गई। परियोजना का विवरण और बजट- धाम का सुंदरीकरण 74 लाख रुपये की लागत से किया जाएगा। इस बजट में से उत्तर प्रदेश सरकार के पंचायती राज विभाग द्वारा 24 लाख रुपये स्वीकृत किए गए हैं। शेष 50 लाख रुपये विधायक मेजर सुनील दत्त द्विवेदी ने अपनी विधायक निधि से स्वीकृत किए हैं। निरीक्षण के दौरान यह निर्णय लिया गया कि चिता जलाने के लिए गंगा किनारे दो टीन शेड बनाए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, अंतिम संस्कार में शामिल होने वाले लोगों के बैठने के लिए भी एक अलग टीन शेड का निर्माण किया जाएगा। इन टीन शेडों के बनने से बरसात के मौसम में अंतिम संस्कार करने और उसमें शामिल होने में काफी सहूलियत मिलेगी। विधायक ने बताया कि स्वर्ग धाम में लगभग 100 फीट का फ्रंट उपलब्ध है, जहां ये निर्माण कार्य किए जाएंगे। सड़क और अन्य विकास कार्य- परियोजना में स्वर्ग धाम तक जाने वाली सड़क को भी चौड़ा कर बेहतर बनाने का प्रस्ताव है। विधायक ने ग्रामीण इंजीनियरिंग सेवा (आरईएस) के अधिकारियों से सड़क को फर्रुखाबाद की सर्वश्रेष्ठ सड़कों में से एक बनाने के लिए कहा है। स्वर्ग धाम आने वाली पूरी सड़क पर सोलर लाइट की भी व्यवस्था की जाएगी। इससे रात में आने-जाने वालों को कोई असुविधा न हो। विधायक ने कहा कि वह योगी जी की कृपा से स्वर्ग धाम का पूर्ण सुंदरीकरण कराएंगे। निरीक्षण के दौरान पीडब्ल्यूडी, आरईएस और डीआरडीएल के अधिकारी भी मौजूद रहे। यात्री सेट और पोस्टर्माटम हाउस पर प्रस्ताव- विधायक ने बताया कि शहर क्षेत्र से लोग शव यात्रा लेकर आते हैं और रास्ते में मंजिल नामक स्थान पर शव यात्रा रोकी जाती है। बरसात के मौसम में लोगों को भीगने और मोटरसाइकिल पर बैठे रहने की असुविधा को देखते हुए, विधायक ने अपनी निधि से वहां दो यात्री सेट बनाने के लिए भी प्रस्ताव दिया है। विधायक ने यह भी बताया कि वह अगला प्रस्ताव भेजेंगे जिसमें पोस्टर्माटम हाउस में लोगों के लिए बैठने की व्यवस्था और खुले में बैठने वालों के लिए सिटिंग अरेंजमेंट किया जाएगा। वहां एक वाटर कूलर लगाने की भी योजना है। -जिलाधिकारी का वक्तव्य जिलाधिकारी आशुतोष कुमार द्विवेदी ने बताया कि स्वर्ग धाम के बेहतरीन के लिए और आवागमन के रास्ते के चौड़ीकरण के लिए अन्य कार्यों हेतु वे तत्पर हैं। उन्होंने कहा कि अंत्येष्टि स्थल के सुंदरीकरण को लेकर विधायक जी का प्रस्ताव था। उसी के तहत विधायक निधि से क्या काम किया जा रहा है और इसको लेकर स्त्री निषेचन और अंत्येष्टि स्थल बाली योजना के तहत क्या कार्य प्रस्तावित किया जा सकता है। जिलाधिकारी ने कहा कि इसका उद्देश्य चीजों को बेहतर और लोगों के लिए सुविधाजनक और अच्छा बनाना है।

कई दिनों से लापता एक 9 वर्षीय मासूम बालक की निर्मम हत्या से पूरे इलाके में सनसनी फैली

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद के थाना जहानगंज क्षेत्र के कोरी खेड़ा गांव में बीते कई दिनों से लापता एक 9 वर्षीय मासूम बालक की निर्मम हत्या से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है। 10 दिसंबर से लापता इस बच्चे का शव रविवार को गांव के बाहर एक आलू के खेत में बरामद हुआ है। इस हृदय विदारक घटना से कोरी खेड़ा गांव में शोक और गहरा आक्रोश का माहौल है। लापता होने से लेकर शव बरामदगी तक- कोरी खेड़ा गांव निवासी चंद्र प्रकाश गुप्ता का पुत्र आशुतोष गुप्ता (उम्र लगभग 10 वर्ष), जो सरस्वती शिशु मंदिर मूसा खिरिया में कक्षा 4 का छात्र था, बीते 10 दिसंबर की शाम करीब 5:30 बजे घर से अचानक लापता हो गया था। परिजनों ने तुरंत उसकी तलाश शुरू की, लेकिन जब बच्चे का कोई पता नहीं चला, तो उन्होंने इसकी सूचना पुलिस को दी। परिजनों की शिकायत के आधार पर, थाना जहानगंज में अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया गया था और पुलिस बच्चे की तलाश में जुटी हुई थी। आलू के खेत से मिला शव- कई दिनों की अथक खोजबीन के बाद, रविवार को गांव वालों और पुलिस को आशुतोष का शव गांव के बाहर स्थित एक आलू के खेत में मिला। शव की बरामदगी से यह स्पष्ट हो गया कि बच्चे को अगवा करने के बाद उसकी बेरहमी से हत्या कर दी गई है। शव मिलने की सूचना मिलते ही मौके पर भीड़ जमा हो गई।घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आगे की आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। इस निर्मम हत्याकांड से इलाके के लोग स्तब्ध हैं और न्याय की मांग कर रहे हैं। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि यह हत्या किसने और किस मकसद से की है।

ई-अटेंडेंस नहीं लगाने वाले शिक्षकों का कटेगा वेतन - कलेक्टर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो/ शिवपुरी। कलेक्टर रविन्द्र कुमार चौधरी ने सोमवार को जिलाधीश कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित अंतर-विभागीय समन्वय बैठक में शिक्षा, स्वास्थ्य, राजस्व, नगरीय निकाय एवं पंचायत विभागों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों एवं विभागवार प्रमुख प्रकरणों पर विशेष चर्चा की गई। बैठक में जिला पंचायत सीईओ विजय राज, संयुक्त कलेक्टर, डिप्टी कलेक्टर सहित सभी विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी अपने दायित्वों का निर्वहन समय पर एवं पूर्ण जिम्मेदारी के साथ करें। लापरवाही किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगी। उन्होंने कहा कि कमियों और गलतियों को निडरता से चिन्हित कर शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। बैठक में कलेक्टर ने जिले के शासकीय एवं अतिथि शिक्षकों द्वारा शिक्षक ऐप पर दर्ज की जा रही ई-अटेंडेंस की समीक्षा की। उन्होंने नियमित रूप से उपस्थिति दर्ज करने वाले शिक्षकों की सराहना करते हुए निर्देश दिए कि सभी शिक्षकों के लिए 100 प्रतिशत ई-अटेंडेंस अनिवार्य है। जो शिक्षक ई-अटेंडेंस दर्ज नहीं करेंगे, उनके विरुद्ध वेतन काटने अथवा रोकने की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बीईओ, बीआरसी, बीएसी एवं जन शिक्षकों को निर्देश दिए कि तीन दिवस में ऐसे शिक्षकों की सूची तैयार कर प्रस्तुत की जाए। साथ ही नेटवर्क समस्या वाले स्थलों की सूची बनाकर जिला शिक्षा अधिकारी को उपलब्ध कराने तथा संबंधित नेटवर्क सर्विस प्रोवाइडर के सहयोग से समस्या के निराकरण के निर्देश दिए। बैठक के अंत में कलेक्टर ने शिक्षा, जनजातीय कार्य एवं सामाजिक न्याय विभाग को लंबित शिकायतों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने मातृ वंदना योजना एवं पशुपालन विभाग के अंतर्गत शिविर लगाने, किसानों को ई-टोकन एवं पराली न जलाने के लिए जागरूक करने, उद्यम क्रांति योजना के लंबित ऑनलाइन प्रकरणों का त्वरित निराकरण करने तथा नगर पालिका को अतिक्रमण पर सख्ती एवं करबला की सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

करैरा में नवीन बस स्टैंड निर्माण का रास्ता साफ, 15 करोड़ से अधिक मूल्य की भूमि से हटे अवैध कब्जे

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा/ शिवपुरी, ब्यूरो। करैरा नगर में नवीन बस स्टैंड निर्माण में बाधा बन रहे अवैध अतिक्रमणों को प्रशासन ने सख्ती से हटाकर बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर श्री रविन्द्र कुमार चौधरी के निर्देश पर नगर परिषद को वर्ष 2021 में आवंटित बस स्टैंड की भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया गया। एसडीएम करैरा श्री अनुराग निंगवाल ने बताया कि नगर परिषद की लगभग 65 हजार वर्ग फुट भूमि पर भूमाफियाओं द्वारा किए गए अवैध कब्जों को हटाया गया है, जिसकी अनुमानित कीमत 15 करोड़ रुपये से अधिक है। इस दौरान कुल 19 अतिक्रमणकर्ताओं के कब्जे बुलडोजर और जेसीबी मशीनों की मदद से हटाए गए। कार्रवाई राजस्व विभाग, पुलिस तथा नगर परिषद के संयुक्त अमले द्वारा की गई। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के समय एसडीएम श्री अनुराग निंगवाल, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस डॉ. आयुष जाखड़, तहसीलदार सुश्री कल्पना शर्मा, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री गोपाल गुप्ता सहित नगर परिषद का अमला मौके पर मौजूद रहा। उल्लेखनीय है कि अवैध अतिक्रमणों के कारण नवीन बस स्टैंड निर्माण में लगातार देरी हो रही थी। अब भूमि अतिक्रमण मुक्त होने के बाद शीघ्र ही बस स्टैंड का निर्माण कार्य प्रारंभ कर अंतिम रूप दिया जाएगा। इससे महुअर पुल से पुलिस सहायता केंद्र, पुराने बस स्टैंड एवं रेस्ट हाउस के सामने तक लगने वाले जाम से नगरवासियों को राहत मिलेगी और यातायात व्यवस्था सुगम होगी।

संक्षिप्त समाचार

काशीराम कॉलोनी में पुलिस का छापा, वोटर-आधार सत्यापन अभियान जारी , 130 परिवारों के दस्तावेजों की गहन जांच

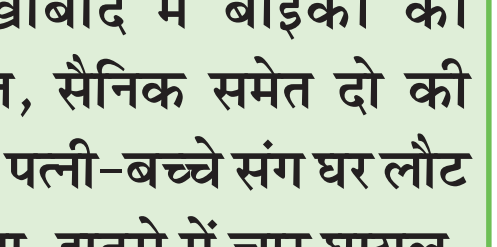

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद। काशीराम कॉलोनी में पुलिस द्वारा व्यापक सत्यापन अभियान चलाया गया। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक आरती सिंह के निर्देशन में एवं सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय के नेतृत्व में की गई। अभियान के दौरान कॉलोनी के ब्लॉक 1 से 13 तक करीब 130 परिवारों के दस्तावेजों की जांच की गई। पुलिस टीम ने परिवारों के वोटर कार्ड व आधार कार्ड का सत्यापन किया, साथ ही नाम व मोबाइल नंबर रजिस्टर में दर्ज किए गए। सीओ सिटी ऐश्वर्या उपाध्याय ने बताया कि यह अभियान उच्च अधिकारियों के निर्देश पर चलाया जा रहा है। काशीराम कॉलोनी मऊदरवाजा थाना क्षेत्र में आती है, जहां मिश्रित आबादी निवास करती है। इस अभियान में तीन थानों का पुलिस बल तैनात रहा। सत्यापन के साथ-साथ लोगों के आपराधिक रिकॉर्ड की भी जांच की जा रही है। प्राप्त जानकारियों के आधार पर संबंधित थानों में विस्तृत रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। सीओ सिटी ने बताया कि जांच अभी प्रारंभिक चरण में है। वर्ष 2010 से कॉलोनी में रह रहे लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है-कौन वर्तमान में निवास कर रहा है, कौन स्थान छोड़ चुका है और किस मकान का आवंटन किसके नाम है। जांच पूरी होने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

फर्रुखाबाद में बाइकों की भिड़ंत, सैनिक समेत दो की मौत: पत्नी-बच्चे संग घर लौट रहा था, हादसे में चार घायल

क्यूँ न लिखूँ सच /श्याम जी कश्यप/ फर्रुखाबाद के जहानगंज थाना क्षेत्र सड़क हादसे में सेना के एक जवान सहित दो लोगों की मौत हो गई। इस दुर्घटना में चार अन्य लोग घायल हो गए, जिन्हें लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसा जहानगंज थाना क्षेत्र के ग्राम महरूपुर बीजल के पास दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर से हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों और घायलों की पहचान- मृतकों में कन्नौज जनपद के सौरिख थाना क्षेत्र स्थित शिवसिंहपुर गांव निवासी 35 वर्षीय विनीत पुत्र राजेंद्र शामिल हैं। विनीत भारतीय सेना में कार्यरत थे और वर्तमान में जम्मू में तैनात थे। वह छुट्टी पर घर आए हुए थे। परिजनों के अनुसार, विनीत अपनी पत्नी निशा और 7 वर्षीय पुत्र रोहन के साथ फर्रुखाबाद के मसेनी रामनगर स्थित अपने आवास पर लौट रहे थे। ग्राम महरूपुर बीजल के पास सामने से आ रही दूसरी बाइक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे विनीत ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। दूसरी बाइक पर सवार एक अन्य युवक को डायल 112 पुलिस ने गंभीर हालत में डॉ. राम मनोहर लोहिया जिला अस्पताल पहुंचाया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे भी मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान कमालगंज थाना क्षेत्र के कतरौली पट्टी निवासी अंकित पुत्र कुंवरपाल के रूप में हुई है। घायलों का विवरण और आगे की कार्यवाही- इस हादसे में जहानगंज थाना क्षेत्र के तरा नगला निवासी 18 वर्षीय ओमवीर पुत्र रामतीर्थ और 17 वर्षीय राजकुमार पुत्र सुभाष गंभीर रूप से घायल हुए हैं। सैनिक विनीत की पत्नी निशा और पुत्र रोहन भी घायल हुए हैं। सभी घायलों का इलाज जिला अस्पताल लोहिया में चल रहा है। अंकित के पिता ने बताया कि उनका बेटा दरियागंज में अपनी बुआ के पास रह रहा था। उन्हें हादसे की सूचना फोन पर मिली, जिसके बाद वे अस्पताल पहुंचे। वहीं दोनों मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है। अस्पताल प्रशासन ने शवों को मोर्चरी में रखवाया है।

हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश , उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

महिलाओं एवं बच्चियों को मिशन शक्ति, साइबर अपराध अभियान के अंतर्गत जागरूक किया गया

क्यूँ न लिखूँ सच /अमरीक सिंह / मिशन शक्ति फेज 5.0 के अंतर्गत मिशन शक्ति/एंटी रोमियो अभियान के तहत ग्राम रघुनाथपुर थाना मटेरा जनपद बहराइच में चौपाल लगाकर जन जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन कर महिलाओं एवं बच्चियों को मिशन शक्ति, साइबर अपराध अभियान के अंतर्गत जागरूक किया गया तथा उच्चाधिकारी द्वारा दिए गये आदेशो निर्देशों के क्रम मे तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजना के बारे मे व बालिकाओं से उनकी समस्याओं को मद्देनजर रखते हुए महिलाओं पर हो रहे अपराध के प्रति उन्हें जागरूक किया गया... महिला संबंधी घटित अपराध की शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर,1090,1098 ,1076, 112 ,181, 108, व साइबर संबंधित अपराध के शिकायत के लिए टोल फ्री नंबर 1930 तथा बालिकाओं से उनकी समस्याओं के बारे में पूछताछ करते हुए जानकारी दी गयी। मिशन शक्ति टीमज ॥ष्ट दिग्विजय सिंह ॥ष्ट फूलचंद्र मौर्या म0आ0 प्रीती यादव म0आ0 ज्ञानमती यादव थाना मटेरा जनपद बहराइच

मिशन शक्ति 5.0: जनपद श्रावस्ती में "बहू-बेटी सम्मेलन" को किया गया जागरूक

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती । उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मिशन शक्ति फेजदू5.0 अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक राहुल भाटी के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक मुकेश चन्द्र उत्तम के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारीगणों के पर्यवेक्षण में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों एवं शक्ति मोबाइल टीम द्वारा %बहू-बेटी सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया।

इस अभियान के तहत 12 विभिन्न स्थानों पर लगभग 1200 से अधिक महिलाओं एवं बालिकाओं को एक मंच पर उन्हें सुरक्षा, आत्मनिर्भरता, संवैधानिक अधिकारों एवं सरकारी योजनाओं के प्रति जागरूक किया गया। सम्मेलन का उद्देश्य महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाकर आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने हेतु प्रेरित करना रहा। थाना कोतवाली भिनगा, मल्हीपुर, सोनवा, हरदत्तनगर गिरंट गिलौला, इकौना, सिरसिया, नवीन मॉडर्न एवं महिला थाना सहित अन्य स्थानों पर आयोजित इन सम्मेलनों में आशा बहुएँ आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, गृहिणियों, विधवा एवं तलाकशुदा महिलाएँ तथा किशोरियों उपस्थित रहीं। सम्मेलन के दौरान महिलाओं को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई, जिनमें मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मीबाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, मातृशक्ति को सम्बल योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना एवं नारी शक्ति वंदन अधिनियम प्रमुख रहे। महिलाओं को योजनाओं का लाभ लेकर स्वावलंबी एवं सशक्त जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित किया गया। किशोरियों को बाल विवाह, दहेज प्रथा, साइबर अपराध तथा गुड टथदूबैड टच जैसे संवेदनशील विषयों पर जागरूक किया गया और उन्हें शिक्षा एवं आत्मरक्षा को जीवन का मजबूत आधार बनाने हेतु प्रेरित किया गया।

सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम में महिलाओं की भूमिका

■ फोटो - कार्यक्रम में भाग लेती महिलाएं।

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर-पीलीभीत। नगर के सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में सप्तशक्ति संगम कार्यक्रम का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम का उद्देश्य मातृशक्ति में निहित सात मूल शक्तियों क्षमा,कीर्ति,मेधा, स्मृति एवं वाक् शक्ति का स्मरण, जागरण तथा समाहित में उनका क्रियान्वयन करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि दीप शिखा मिश्रा प्रधानाचार्या शिशु विहार विद्यालय ने मां शारदे के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं पुष्पर्चन कर किया। मुख्य वक्ता सविता गंगवार ने कुटुंब प्रबोधन के अन्तर्गत नारी को स्वयं का महत्व समझने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार रानी लक्ष्मी बाई, सावित्री बाई फुले आदि ने देश के लिए पर्याप्त समय दिया उसी प्रकार हमें भी देश हित के लिए कार्य करना चाहिए।

मुख्य अतिथि दीप शिखा मिश्रा ने महिलाओं को आत्म जागृति एवं सामाजिक उत्थान के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम अध्यक्षा श्वेता अग्रवाल ने नागरिक कर्तव्यों के पुन: स्मरण द्वारा मातृ शक्ति को जागृत किया। कार्यक्रम का संचालन आचार्या अंशिका ने व परिचय एवं स्वागत आम्रपाली दीक्षित ने किया।

भाकियू टिकैत गुट ने किसानो की समस्याओं को लेकर उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / पूरनपुर-पीलीभीत। भारतीय किसान यूनियन टिकैत गुट ने तीन सूत्रीय मांगों को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपा तत्काल समस्याओं समाधान करने को कहा है। सोमवार को भाकियू टिकैत गुट के तहसील अध्यक्ष महिपाल सिंह उर्फ लालू ने एसडीएम अजीत प्रताप सिंह को तीन सूत्रीय ज्ञापन देकर बताया। धान की सरकारी बिक्री मंडी और सेंटरों पर सुचारू रूप से नहीं हो रही है। जिससे किसानों को काफी नुकसान हो रहा है। आवारा पशुओं किसानों की फसलों को काफी नुकसान पहुंचा रहे तत्काल समस्या को गंभीरता से लिया जाए।

आवारा पशुओं को पकड़कर गौशाला भेजा जाए। वहीं जंगली जानवर किसानों पर हमला कर मौत के घाट उतार रहे हैं।जंगल के किनारे तार फेंसिंग की जाऐ जंगल से जंगली जानवर बाहर ना निकल सके।धान की ट्रॉलियों का टोकिन गेट पर व्यवस्था की जाए। जिससे किसानों को सहूलियत मिल सके। सभी मांगों के लिए ज्ञापन दिया गया। तत्काल इन पर कार्रवाई की जाए। ज्ञापन देने वाले महिपाल सिंह तहसील अध्यक्ष,इमरान, सलमान अजहरी और रगीले सहित कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

सरदार वल्लभभाई पटेल की मनाई गई पुण्यतिथि

■ फोटो 03 पुण्यतिथि मनाते कार्यकर्ता।

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर-पीलीभीत (एसएनबी)। राष्ट्र निर्माता भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर नगर के सरदार वल्लभभाई पटेल पार्क में उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया इस अवसर पर किसान नेता एवं प्रांतीय संरक्षक क्रांतिकारी विचार मंच उत्तर प्रदेश देव स्वरूप पटेल ने कहा कि सरदार बल्लभ भाई पटेल ने खंड-खंड आजाद भारत को कई प्रतिकूल परिस्थितियों में भी एकीकृत कर मजबूत राष्ट्र का निर्माण किया देश के पहले गृहमंत्री के रूप में जब की हम सब जानते हैं की मात्र उन्हें देश के गृहमंत्री के पद पर ढाई वर्ष का अल्प समय ही मिला था उन्होंने अपने दृढ़ संकल्प और मजबूत इच्छा शक्ति से भारत माता की सुरक्षा आंतरिक स्थिरता एवं शांति की स्थापना को उन्होंने अपने जीवन का लक्ष्य बनाया लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल ने महिलाओं किसानो के लिए सहकारी आंदोलन को पुनर्जीवित कर - आत्मनिर्भर भारत की नींव रखने वाले महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल को आज उनकी पुण्यतिथि पर हम सब देशवासी उन्हें याद कर उनके विचारों से समाज राष्ट्र की एकता अखंडता के लिए हमेशा तत्पर रहने का संकल्प लेते हैं। सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि पर पटेल ने कहा कि उन्होंने क्रांतिकारी विचार उत्तर प्रदेश मंच के माध्यम से पूर्व में ज्ञापन केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के माध्यम से देश के प्रधानमंत्री एवं गृहमंत्री के नाम संबोधित दिया है जिसमें उन्होंने राष्ट्र निर्माता देश की एकता के लिए मर मिटने वाले लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के नाम से दिल्ली में राष्ट्रघाट का निर्माण किसान घाट एवं राजघाट के पास कराये जाने का आग्रह किया है पटेल ने कहा कि पीलीभीत नगर में कोई भी लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम से पार्क या उनकी स्मृति में कोई भी स्थान नहीं है जहां पर उन्हें याद करने के लिए लोग कोई कार्यक्रम कर सकें इसलिए सरदार बल्ल्भ भाई पटेल छात्रावास जिसका अधूरे निर्माण के कारण इस्तेमाल नहीं हो रहा है

उसका जल्द निर्माण कराएं ताकि वहां विद्यार्थियों को रहने की सुविधा उपलब्ध हो एवं इस छात्रावास में लौह पुरुष सरदार बल्ल्भ भाई पटेल की प्रतिमा स्थापित कर उन्हें उनकी जयंती एवं पुण्यतिथि आदि अवसरों पर याद करने का एक स्थान निश्चित हो सके इस छात्रावास का निर्माण अविलंब कराने को केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद के माध्यम से जिलाधिकारी पीलीभीत एवं जिला पंचायत अध्यक्ष पीलीभीत को पूर्व में पत्र भिजवाकर वार्ता की गई जो अभी कार्य होते नहीं दिख रहा है जिसके लिए उन्होंने पुन: जितिन प्रसाद से आग्रह कर जिलाधिकारी पीलीभीत से जल्द पीलीभीत के सरदार वल्लभभाई पटेल छात्रावास के निर्माण के लिए पत्र जारी कराया है सरदार वल्लभभाई पटेल की पुण्यतिथि कार्यक्रम में डॉक्टर प्रथमेश भारद्वाज, अवनीश गंगवार, यशवंत सिंह, पुरुषोत्तम गंगवार, रामप्रसाद, यशपाल सिंह आदि ने अपने विचार रखे।

सांड के हमले से किसान घायल

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर-पीलीभीत। सुबह खेत की रखवाली कर घर वापस आते समय रास्ते में सांड ने किसान पर हमला बोल दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया घायल को नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टर ने उसका प्राथमिक उपचार करने के बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बीसलपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव जसोली दिवाली निवासी राजेश पुत्र भाई लाल 30 सुबह अपने खेत पर गेहूं की फसल की रखवाली करने गया हुआ था लगभग 12 बजे दोपहर को घर वापस आ रहा था तभी रास्ते में आवारा सांड ने हमला बोल दिया चीख पुकार सुनकर आस पड़ोस के खेतों में काम कर रहे किसानों ने उसको सांड के हमले से बमुश्किल बचाया किसानों ने मामले की सूचना उसके परिजनों को दी सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंच गए और उन्होंने 108 एंबुलेंस द्वारा उसको नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया जहां डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

सड़क किनारे अतिक्रमण को पुलिस ने हटवाया

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती। थाना हरदत्त नगर गिरंट पुलिस द्वारा कस्बा बदला मेंअतिक्रमण हटवाने की कार्यवाही की गई साथ ही सड़क किनारे लगे अवैध ठेला/वाहनों को हिदायत भी दी गयी। दुकानदारों को सख्त चेतावनी दी गई कि वे सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करें और शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें। यह अभियान यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के उद्देश्य से चलाया गया, जिससे आमजन को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न हो।

वर्षों से उखड़े सड़क पर चलने को मजबूर आम जनता

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती। विकास क्षेत्र जमुनहा अंर्तगत ग्राम पंचायत भगवानपुर के मुनव्वर गांव व लहोरगांव जोड़ने वाले गांव के बीच का खंड़जा सालों से उखड़ खाबड़ रास्ता सालों से इस तरहा बन हुआ है। तीन गांवों की ग्राम पंचायत होने के बावजूद भी आज भी मुनव्वर गांव लहोरकला गांव की हालत दयनीय व चिन्ता जनक बनी हुई है। हरदत्त नगर गिरन्ट सहित आधा दर्जन गांव के लोग नानपारा गिरन्ट मार्ग के धन्नीपुरवा बुध बाजार चौराहे से चौबेडीह गांव से होकर मल्हीपुर सीएचसी अस्पताल, ब्लाक, तहसील इसी सार्ट रास्ते से रोज सुबह शाम आते जाते हैं। इस रास्ते जहां कम समय व दूरी की बचत होती है। वहीं इस दोनों गांव के बीच का खंड़जा रास्ता लोगों को परेशान कर देता है। लहोरकला गांव में पानी टंकी बनी हुई है सालों पहले पाइप लाइन बिछाकर मुनव्वर गांव में इस खड़ंजा मार्ग के बीच में पाइप लाइन डालकर पहुंचाया गया था। जबकि दोनों गांव के बाहर मल्हीपुर जाने के लिए पक्की सड़क है। परन्तु शेष बीच की यह सड़क सालों पहले ग्राम पंचायत के माध्यम से बनाई गई थी। इसके दुबारा इसे रिपेयर तक नहीं करवाया गया। साइकिल व मोटरसाइकिल सवार अक्सर इस मार्ग से निकलते हैं और फिसल कर गिर जाते हैं और चोटिल हो जाते हैं।

नगर में कई स्थानों पर लगा जाम राहगीर परेशान

क्यूँ न लिखूँ सच / पूरनपुर-पीलीभीत। नगर के चौराहों और मुख्य मार्गों पर काफी देर तक जाम की स्थिति बनी रही। सोमवार को दोपहर कोतवाली से सरकारी अस्पताल,नगर पालिका और ब्लॉग रोड पर आए दिन जाम की स्थिति बनी रही है। जाम में सरकारी एम्बुलेंस और पुलिस की गाड़ी वह राहगीरों की गाड़ियां भी जाम में फस जाती है। नगर में ट्रैफिक व्यवस्था ना होने से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। राहगीरों की वाहन घंटों जाम फस जाते हैं।नगर वासियों ने जाम से निजात दिलवाने की मांग की है।

लोकतंत्र सेनानी बीमारी के चलते हुआ निधन शोक की लहर दौड़ गयी

घुंघचिहाई पुलिस ने राजकीय सम्मान के साथ सलामी दी

क्यूँ न लिखूँ सच / पूरनपुर-पीलीभीत। लोकतंत्र सेनानी का बीमारी के चलते देर रात निधन हो गया पुलिस ने राजकीय सम्मान के साथ सलामी दी।थाना घुंघचिहाई क्षेत्र के गांव सिमरा निवासी नत्थू लाल पुत्र रामसहाय उम्र लगभग 82 बर्ष का शनिवार देर रात निधन हो गया।बताया जा रहा बर्ष 1975 में आपातकालीन के दौरान जेल गए वह अविवाहित थे। इनके निधन की खबर मिलते ही क्षेत्र में शौक की लहर दौड़ गई। रविवार को थाना घुंघचिहाई इंस्पेक्टर जयशंकर प्रसाद पुलिस टीम के साथ पहुंचे और पार्थिव शरीर पर पुष्प अर्पित कर राजकीय सम्मान के साथ सलामी दी गई।और गांव में गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार कर दिया गया।

उधार के बहाने नाबालिग से हड़पे 47 हजार रुपए, मुकदमा दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / बीसलपुर-पीलीभीत। नाबालिग से उधार का बहाना बनाकर 47 हजार रुपए धोखाधड़ी से हड़पने के मामले में पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। कोतवाली क्षेत्र में गांव सिमरा अकबर गंज निवासी गुरु प्रसाद ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया ह

कि उसकी नाबालिग लड़की अंजली 13 वर्ष से 47 हजार रुपए उधार का बहाना बनाकर नितिन कुमार पुत्र चंद्र पाल निवासी परासी रामकिशन ने ले लिए अब आरोपी ने रुपए देने से इंकार कर दिया है पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने नितिन कुमार पुत्र चंद्र पाल निवासी परासी रामकिशन के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है।

Don't be content with just brushing! Your mistakes are secretly ruining your teeth. Adopt these habits today.

Strong and shiny teeth not only enhance our smiles but are also essential for good digestion and self-confidence. Dental care isn't limited to brushing; it also includes proper diet, hygiene, and regular habits. Brushing twice a day is essential. Flossing removes debris between teeth. Limit sweets and schedule dental checkups. A smile not only enhances facial beauty but also enhances self-confidence and personality. Healthy and strong teeth make chewing, speaking, and digestion easier. However, neglect can quickly lead to numerous oral problems like cavities, gum inflammation, weakened teeth, or yellowing. However, it's also true that proper dental care isn't limited to brushing; many small daily habits play a vital role. Let's explore some healthy habits that can help keep your teeth healthy throughout your life: Brush twice a day—first thing in the morning and before bed. Going to bed without brushing your teeth at night encourages bacteria growth and increases the risk of cavities. Use proper technique—brushing gently in circular motions for 2–3 minutes. Brushing vigorously or using a hard brush can damage tooth enamel and gums. Floss daily—flossing removes dirt and plaque trapped between teeth that brushing alone cannot remove. It is also beneficial for gum health. Use mouthwash—Antibacterial mouthwash kills bacteria and keeps breath fresh. This is especially important for those with bad breath. Limit sugar intake—Eating too much sugar can cause a layer of bacteria to build up on teeth, which can weaken them by producing acid. Avoid cold drinks and candies. Eat a nutrient-rich diet - Calcium, phosphorus, and vitamin D are essential for teeth. Milk, yogurt, cheese, almonds, green vegetables, and sesame seeds are good sources. Drink plenty of water - Drinking water after meals removes particles from teeth and maintains the pH balance of the mouth. Water also activates saliva, which acts as a natural cleanser. Avoid tobacco and smoking - These not only yellow teeth but also increase the risk of gum disease and mouth cancer. Use your teeth properly - Never open bottles, tear packages, or bite pens with your teeth. This can cause teeth to break or crack. Get regular dental checkups - It's important to see a dentist every six months. This can help detect early problems quickly and prevent major damage.

Want a brain as sharp as a computer? Include these 5 superfoods in your diet to strengthen your memory.

Did you know that to sharpen your brain, special attention should be paid to your diet? Yes, certain foods (Foods for Brain) are rich in nutrients that help your brain function better. Therefore, to improve brain function and strengthen your memory, certain foods should be included in your diet. The brain is the most important part of our body; it controls all the functions of the body. Certain foods help keep the brain healthy. Our brain controls our entire body and is always active. Therefore, it is important to take special care of it. However, in today's fast-paced life, keeping the brain healthy and sharp is essential. The good news is that by including certain things in our diet, we can increase our brain's working capacity, strengthen our memory, and improve focus. Let's learn about 5 foods for a sharp brain. Walnuts - Walnuts are considered the most beneficial dry fruit for the brain. They are shaped like a brain. Walnuts are rich in omega-3 fatty acids, antioxidants, vitamin E, and protein. Omega-3 fatty acids are essential for the growth and function of brain cells. Eating 2-3 walnuts regularly improves memory, reduces stress, and maintains a healthy brain. Turmeric - Turmeric contains curcumin, a powerful antioxidant and anti-inflammatory. Curcumin helps prevent inflammation, enhances memory, and stimulates the growth of new brain cells. Blueberries - Blueberries are also known as brain berries because they are extremely beneficial for the brain. They contain anthocyanin antioxidants, which protect brain cells from oxidative stress and slow down memory loss that occurs with age. Blueberries help improve learning ability and cognitive function. Green leafy vegetables - Spinach, broccoli, kale, and other green leafy vegetables are rich in vitamin K, lutein, folate, and beta-carotene. Vitamin K helps develop brain cells and sharpens memory. The antioxidants in these vegetables protect the brain from damage caused by free radicals. Dark chocolate - Dark chocolate contains cocoa flavonoids, caffeine, and antioxidants, which are beneficial for the brain. These increase blood flow to the brain, which improves memory, focus, and learning. Dark chocolate also increases the secretion of mood-enhancing hormones. Eating dark chocolate with 70% or more cocoa in limited quantities is beneficial for brain health.

Forget the crowds of Manali, this 'secret waterfall' will make you forget Switzerland.

With snowfall and excellent AQI, the mountains are the talk of the town these days, from internet media to newspapers. Mountains are considered unmatched for everything from vacations to adventure sports. If you're planning a trip these days, learn from mountaineer Megha Parmar about these mountain experiences and memorable places. Jugni Waterfall: A breathtaking experience of touching the rainbow; Salthar: Natural beauty and serene surroundings; Bir Billing: A thrilling experience of paragliding. Travel plans begin even before the winter holidays begin. But one common problem is that when you visit these photogenic places on Instagram, the crowds can ruin the fun. While the usual options come to mind, there are plenty of other places that offer a new experience, yet there are few people in sight. A rainbow descending at arm's length - If someone asks me to choose a place to visit, the first thing that comes to mind is Manali's Jugni or Jogini Waterfall. Families trek slowly, intermittently, making their way up the path. The waterfall's splash and the sun's rays piercing it create a photogenic scene. There's no need to wait for rain to see a rainbow. Here, the entire rainbow is not only visible, but also touchable. If you have a new generation of children in your family, this view and experience will prove to be absolutely aesthetic and Instagram-friendly. If you're drenched in sweat after a trek, Salthar, a beautiful and tranquil destination near Manali, is known for its natural beauty, trekking trails, and local culture. It's a popular choice for those seeking a quiet experience, a short distance from the main city of Manali, where you can enjoy the cafes and traditional atmosphere of old Manali. Vashisht Ashram has two ponds for men and women. Bathing here not only provides relief but is also believed to alleviate skin problems. If you have some trekking experience, consider the Bhrigu Lake Trek. This moderately difficult route is known for its steep climb and rapid elevation gain (approximately 14,100 feet). It's a 10-12-kilometer trek, starting from Gulaba village and ending at Rolakoli (Base Camp), and is renowned for its crystal-clear waters and spectacular Himalayan views. Arriving here on a moonlit night will make the canal appear as if the moon has descended into a bowl. Nearby are Dudhi Lake, the Priyadarshini Range, the Lamadug Trek, and the Pandu Ropa Trek, where nature and adventure await you. Become a ski master: Manali is a great place for river rafting. If you're traveling to Manali, keep in mind that the snowfall has already occurred, making it an ideal time for snow skiing. This exciting activity is enjoyed during the months of January-February (and up to March) with snowfall. Solang Valley, about 14 kilometers from Manali, is a popular destination with slopes for all levels. Gulaba, meanwhile, is a good area for beginners and offers spectacular views. Along with skiing, exciting sports like snowboarding, snow trekking, zorbing, and paragliding are available between December and February. You can also take a dedicated skiing course here, along with experiencing the skiing. Today, I am above the sky below - If you want to enjoy paragliding, definitely visit Sonamarg, famous as the gateway to the ancient Silk Road connecting Kashmir with Tibet. This paragliding experience will offer breathtaking views, including the Betaab Valley, famous in Hindi cinema. If you can't reach Sonamarg, head to Bir Billing, India's paragliding capital, located in Kangra district. You can reach Bir via Mandi. Major events like the Paragliding World Cup are held here, attracting tourists and pilots from around the world. One of the best paragliding destinations in the world, this area is renowned for its panoramic views, favorable weather, and excellent thermals, making it ideal for paragliding. The area is divided into two parts: Billing for takeoff and Bir for landing. The landing spot also offers some of the most beautiful sunsets. One advantage of visiting this place is that if you have the time, you can become a trained paraglider during your vacation. I completed a paragliding course here; within just 10 days, you can be able to fly your own glider. Let's get away: The Bir Tattapani Trek, located in the Sutlej Valley of Himachal Pradesh, is a natural hot spring, known for its sulphurous water and natural beauty. Trekking routes open from here to Shimla and beyond. From here, you can also visit the Baidyanath Temple and Dharamshala. At the Pottery Club, you can create clay art with your children and family, and take home a souvenir. There are also jungle gym clubs that take groups of people deep into the jungle and practice gymnastics amidst nature. There are also plenty of options for bungee jumping in Beed. While the region offers the thrill of paragliding, the Buddhist monasteries offer an opportunity to experience peace and tranquility. They are also ideal for meditation and spirituality. It is a renowned center for eco-tourism, along with scientific studies. Frozen River Adventure - If you're looking to add another unique destination to your bucket list, the Chadar Trek is a challenging and thrilling experience in Ladakh's Zanskar Valley. Tourists and locals travel from village to village along the frozen Zanskar River. This trek, renowned for its sub-zero temperatures of -20°C to -30°C and icy landscapes, takes approximately 8-9 days. This trek is only available once a year. Along with trekking, this place also offers opportunities for ice climbing. Before embarking on these activities, it's crucial to start working on your health, as mental control and patience are crucial. Nature doesn't foresee any situation in advance, and there's no telling when a situation might trigger panic. Oxygen levels are already low, and if your mental state also becomes unstable, it doesn't take long for a mountain to turn into a mountain! Don't forget: start preparing at least 2-4 weeks before the trip.

Amaal Malik reacts to the Sachet-Parampara controversy, saying, "Whoever has a problem should do it..."

The dispute between Amaal Malik and Sachet-Parampara over the credit for the song "Bekhayali" has intensified. Sachet-Parampara accused Amaal of taking credit for the song, to which Amaal responded, saying that he has never taken credit for anyone else's work. He also said that if anyone has a problem, they should go to court, not make accusations online. The ongoing public debate between Amaal Malik and Sachet-Parampara has taken a new turn. The music duo had accused Bigg Boss 19 contestant Amaal Malik of repeatedly taking credit for the song "Bekhayali" from Sandeep Reddy Vanga's film Kabir Singh, which Amaal has now responded to after these allegations. Speaking on Zoom, Amaal Malik stated that he never taken credit for anyone else's work. He said, "I will accept everything, but I will speak the truth." If someone wants to tarnish my name in the industry, which they do, if someone wants to say in an interview that 'he also did a remix,' then you should see how they did it."I didn't take anyone's credit - Amaal The composer said that he always takes care to ensure there are no mistakes when giving credit. Amaal further said, "Whose credit did you take? Have you ever said that the song is mine or that it wasn't a recreation? People put their name on other people's songs and say I created it. I've never done that. Has any musician whose song I've recreated ever stood up and said that they ruined my song? Never. You should go and see what has happened before."No one files a case - Amaal Questioning the issue being raised online, Amaal said that it should have been resolved formally. He said, "They never say that to my face because half of them are afraid of me, and that's the truth. They will never come and talk to me." They'll only speak on Instagram, not file a case in court. If anyone has a problem, go straight to court. If you think I copied your music, file a defamation case."

Kunika Sadanand helped Tanya Mittal patch up with this contestant, saying, "I brought it by force."

Relationships between friends made in the Bigg Boss house often change after the show. Kunika Sadanand recently brokered a reconciliation between two contestants whom fans always want to see together at the Bigg Boss 19 party. Kunika Sadanand also described the atmosphere inside the party. Kunika Sadanand became a peacemaker, brokering a friendship between these two - the patch-up happened at the Bigg Boss 19 success party. Everyone makes friends in the Bigg Boss house, but the true test of their relationships comes after the show ends. After Salman Khan's show ended, several contestants turned their backs on each other after leaving. While Amaal Malik was seen partying with Gaurav Khanna after leaving, Basir and Nehal unfollowed each other immediately after leaving. There was also a rift in Tanya and Neelam's friendship. However, Kunika Sadanand has now come forward and patched up the two estranged friends. Kunika Sadanand reunited the two estranged friends - Yesterday, the grand success party of Bigg Boss 19 was held in Mumbai, where all the contestants including Salman Khan, Farhana Bhatt, Abhishek Bajaj, Neelam Giri, Amaal Malik, Shahbaz Badesha, Ashnoor Kaur and Gaurav Khanna attended the party. Tanya Mittal also attended the party, but she soon left. Giving details from the party, Kunika Sadanand not only told about the fun they had, but also patched up Tanya Mittal and Neelam Giri at the party. While talking to the media, Kunika said, "I have rekindled the friendship between Tanya and Neelam. When Tanya came to the party, she met me, touched my feet and said that I was looking very hot. She is very sweet. I asked her if she met Neelam, she said yes but not very well. After that I went and pulled Neelam and the three of us danced together, spending time with each other just like we did in the first 2-3 weeks." Why did the Neelam-Tanya fight start? Tanya Mittal, who called Neelam Giri her best friend in Bigg Boss 19, started fighting with her when she came out of the Bigg Boss house. Tanya Mittal herself, while talking to the paparazzi, had said that she had unfollowed Neelam because she saw some interviews in which she was saying good and bad things about her. However, on the other hand, Neelam said that she would like to clear her misunderstanding with Tanya Mittal and move on. Fans are liking this gesture of Kunnika Sadanand very much.

"You gave me very little time..." Raj Babbar became emotional remembering Smita Patil on her death anniversary, penning an emotional message

Raj Babbar wrote an emotional message remembering his late wife and legendary actress Smita Patil on her death anniversary. He praised Smita's extraordinary talent, deep compassion, and the impact she left on countless hearts despite her short life on Instagram. Smita Patil passed away in 1986, just days after the birth of their son, Prateik Babbar. Veteran actor-politician Raj Babbar married Smita Patil in 1983. The two were living a happy life when suddenly, three years later, on December 13, 1986, Smita Patil passed away. Now, on Saturday, Raj Babbar wrote an emotional, heartfelt message remembering his late wife and legendary actress Smita Patil on her death anniversary. Raj Babbar wrote an emotional message - Paying tribute to Smita, Raj Babbar wrote on Instagram, "What made #SmitaPatil a truly great actress was what marked her off-screen as well. She was exceptionally talented. Her deep empathy brought to life the struggles of ordinary people and transformed ordinary stories into soulful songs for justice. She touched us all for a brief time, yet her mark is still felt in countless hearts. You gave us too little time to know you. This mystery will always remain unsolved." Remembering Smita on her death anniversary. Raj Babbar and Smita Patil met on the sets of the film "Bheegi Palkein" in 1983. They married in 1983. Raj Babbar was already married to Nadira. However, Raj Babbar and Smita Patil's marriage was short-lived, as the actress passed away in December 1986 due to complications during childbirth. She died just 15 days after the birth of their son, Prateek Babbar. Actor Jackie Shroff also remembered Smita Patil. He posted a tribute to her on Instagram. Smita Patil was considered one of Bollywood's versatile actresses. She gave us some memorable films like Manthan, Bazaar, Ardh Satya, and Waaris.